दैनिक
कीर्तिप्रभा
खबरों के सच का निर्भीक आइना

■ रीवा ■ भोपाल से एक साथ
वर्ष: 28, अंक: 235 पृष्ठ 12, रीवा
रविवार 17 मई 2026
मूल्य: 3.00 रुपए

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट वाड्रा को मिली नियमित जमानत

एवेन्यू कोर्ट में हुए पेश, कहा- सरकार के इशारे पर काम करती है ईडी

नई दिल्ली, दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को बिजनेसमैन रॉबर्ट वाड्रा को शिकोहपुर जमीन सौदा मामले में प्री-अरेस्ट बेल यानी नियमित जमानत दे दी गई। कोर्ट ने इस मामले में ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए वाड्रा को समन जारी किया था। जमानत देते समय कोर्ट ने कोई अतिरिक्त शर्त नहीं रखी। सुनवाई के दौरान वाड्रा ने कहा कि ईडी सरकार के इशारे पर काम करती है और निष्पक्ष नहीं है, लेकिन मुझे देश की न्यायपालिका पर पूरा यकीन है।

वहीं, ईडी के वकील जोहेब हुसैन ने जांच की विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा है। उन्होंने कोर्ट को बताया कि एजेंसी अभी भी कुछ पहलुओं की जांच कर रही है और इसके लिए समय की जरूरत है। इस मामले में अगली सुनवाई 10 जुलाई को होगी। ईडी के मुताबिक वाड्रा की कंपनी ने फरवरी 2008 में ओमकारेश्वर प्रॉपर्टीज से 7.5 करोड़ गुरुग्राम के शिकोहपुर में 3.5 एकड़ जमीन खरीदी थी। बाद में इसे डीएलएफ को 58 करोड़ रुपए में बेच दिया गया।

एजेंसी का दावा है कि ये डील मनी लॉन्ड्रिंग का हिस्सा थी। इसको लेकर वित्तीय लेन-देन की जांच शुरू की गई।

ईंधन के बढ़ते दाम- अब रसोई से लेकर सब कुछ होगा महंगा

-रसोई का बिगड़ेगा बजट

नई दिल्ली, हाल ही में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी ने आम आदमी की जेब पर सीधा असर डाला है। लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यह सिर्फ शुरुआत है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव और बढ़ते लॉजिस्टिक्स खर्चों के कारण अब रोजमर्रा की जरूरत की कई वस्तुओं और सेवाओं के दाम बढ़ने वाले हैं, जिससे घरेलू बजट और किराने का बिल बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। विशेषज्ञों और एफएमसीजी (एफएमसीजी) कंपनियों का कहना है कि लॉजिस्टिक्स का खर्च बढ़ने से पैकेटबंद खाद्य उत्पाद सबसे पहले प्रभावित हो सकते हैं। बिस्कुट, स्नैक्स, इंस्टेंट नूडल्स, खाद्य तेल और पेय पदार्थों जैसे उत्पादों के लिए वितरण नेटवर्क पर भारी निर्भरता होती है। इन उत्पादों की परिचालन लागत का 6 से 10 प्रतिशत हिस्सा लॉजिस्टिक्स पर खर्च होता है, इसके बाद डीजल की ऊंची कीमतें सीधे इन उत्पादों की कीमतें बढ़ा देंगी।

दूध और उससे बनने वाले उत्पादों पर भी महंगाई की मार पड़ना तय है। अमूल और मदर डेयरी जैसी कंपनियों ने पहले ही परिवहन और परिचालन खर्चों में बढ़ोतरी का हवाला देकर दूध की कीमतों में लगभग 2 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया है। अब दही, मक्खन, पनीर और आइसक्रीम जैसे उत्पादों के दाम भी बढ़ सकते हैं। भारत की खाद्य आपूर्ति श्रृंखला मुख्य रूप से सड़क परिवहन पर निर्भर करती है। सब्जियों, फलों, अनाज और दालों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने का खर्च बढ़ने से उपभोक्ताओं को अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी। इस पूरे संकट में किसानों के लिए भी यह दोहरी मार है, क्योंकि ट्रैक्टर, सिंचाई पंप और कटाई मशीनरी जैसे डीजल-आधारित कृषि उपकरण महंगे हो जाएंगे, जिससे कृषि लागत में वृद्धि होगी और अंततः खाद्य उत्पादों की कीमतें और बढ़ेंगी। शहरी उपभोक्ताओं के लिए ऑनलाइन डिलीवरी और ई-कॉमर्स सेवाएं भी महंगी हो सकती हैं। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म और कूरियर कंपनियां अपने अंतिम मील की डिलीवरी लागत में वृद्धि का सामना करेंगी, जो डिलीवरी शुल्क में वृद्धि, छूट में कमी या न्यूनतम ऑर्डर मूल्य में बढ़ोतरी के रूप में ग्राहकों तक पहुंचेगी इतना ही नहीं साबुन, शैंपू, डिटर्जेंट और सफाई उत्पादों जैसे व्यक्तिगत और घरेलू देखभाल के सामान भी महंगे हो सकते हैं। परिवहन लागत में वृद्धि के कारण टैक्सी, बस यात्रा और सामान्य कूरियर सेवाओं की लागत भी बढ़ सकती है, जिससे रोजमर्रा की जिंदगी का हर पहलू प्रभावित होगा। कुल मिलाकर, ईंधन की कीमतों में यह बढ़ोतरी केवल पेट्रोल पंप तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर घर की रसोई से लेकर मासिक किराना बिल और सेवाओं तक को प्रभावित करते हुए महंगाई का एक व्यापक चक्र शुरू कर सकती है, जिसकी चेतावनी विशेषज्ञ लगातार दे रहे हैं।

एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के ठिकानों से 50 लाख मिले

पटन बिहार में ग्रामीण कार्य विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के घर शनिवार को आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने छापेमारी की है। पटना और जमुई के 4 ठिकानों पर ये छापेमारी चल रही है। पटना में जगत विला अपार्टमेंट मे फ्लैट नंबर एफ-2 से 40 लाख रुपए कैश मिले हैं। ये कैश डिजिटल लॉकर में रखे गए थे। लाखों के गहने भी बरामद हुए हैं। उनके आंकलन के लिए एक्सपर्ट को बुलाया गया है। सुबह करीब साढ़े 8 बजे ईओयू के अधिकारी यहा कार्रवाई के लिए पहुंचे थे।

कई बैंकों की पासबुक और जमीन से जुड़े कागजात भी टीम को मिले हैं।

नई दिल्ली नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) ने 18 मई से इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए पार्किंग शुल्क में 50 प्रतिशत छूट देने का ऐलान किया है। एनडीएमसी के वाइस चेयरमैन कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि यह कदम ग्रीन मोबिलिटी और ईंधन बचत को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है। यह सुविधा एनडीएमसी के सभी पार्किंग स्थलों पर लागू होगी।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस की बैलगाड़ी यात्रा- केंद्र सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली,(ईएमएस)। राजधानी दिल्ली में बढ़ती महंगाई के विरोध में कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस पार्टी नेताओं ने प्रतीकात्मक बैलगाड़ी यात्रा निकालकर पेट्रोल, डीजल, दूध, सब्जियों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की लगातार बढ़ती कीमतों पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। इस दौरान सरकार पर आम जनता की अनदेखी करने का आरोप लगाया। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देविंदर यादव के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता शामिल हुए।

होर्मुज पर ईरान का कमिटमेंट- भारत को मिला सुरक्षा का आश्वासन

नई दिल्ली होर्मुज जलडमरूमध्य मे बढ़ती अस्थिरता और भारतीय जहाज पर हालिया हमले के बाद, ईरान ने भारत को व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आश्वासन दे दिया है। यह कदम नई दिल्ली के लिए राहत लेकर आया है। नई दिली मे ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात कर क्षेत्रीय स्थिति और होर्मुज की सुरक्षा पर चर्चा की। विदेश मंत्री अराघची ने कहा कि ईरान हमेशा होर्मुज की सुरक्षा के संरक्षक की अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारी निभाता रहेगा और अपने मित्र देशों के लिए भरोसेमंद साझेदार है।

उत्तर भारत में हाहाकार मचाएगी भीषण लू

समय से पहले आ रहा मॉनसून!

नई दिल्लीदेश के विभिन्न हिस्सों में इस समय मौसम के कई अलग-अलग और विपरीत रूप देखने को मिल रहे हैं। जहां एक तरफ उत्तर और मध्य भारत झुलसाने वाली भीषण लू (हीटवेव) की चपेट में आने की कगार पर है, वहीं दूसरी तरफ दक्षिण और पूर्वोत्तर राज्यों में मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। इस बीच, भीषण गर्मी से परेशान लोगों के लिए एक राहत भरी खबर भी सामने आई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के इस बार तय समय से लगभग एक सप्ताह पहले यानी 26 मई तक केरल तट पर दस्तक देने की प्रबल संभावना है, जबकि इसकी सामान्य तिथि 1 जून होती है।

वर्तमान में उत्तर प्रदेश मौसम की सबसे गंभीर और दोहरी मार झेल रहा है। राज्य में हाल ही में आए विनाशकारी आंधी-तूफान के कारण भारी तबाही हुई है और 100 से अधिक लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। मौसम विभाग ने आगरा, मथुरा, कानपुर, वाराणसी, मिर्जापुर, बलिया और बरेली सहित समूचे पश्चिमी यूपी बेल्ट में फिर से बारिश और 65 किमी/घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है। इस आंधी-पानी के बीच राजधानी लखनऊ सहित कई इलाकों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया है। आने वाले दिनों में राहत की उम्मीद बेहद कम है, क्योंकि राज्य में 16 से 21 मई के बीच भीषण लू का अलर्ट जारी किया गया है, खासकर 18 और 19 मई को गंभीर लू चलने की आशंका है।दूसरी तरफ, उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के कई राज्यों में अगले कुछ दिनों में तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की और बढ़ोतरी होने का अनुमान है। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 17 से 21 मई के बीच गंभीर हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हालांकि, आज शाम राजधानी में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की उम्मीद है, लेकिन यह गर्मी से राहत देने के लिए नाकाफी होगा। राजस्थान, मध्य प्रदेश और विदर्भ में भी पारा सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस ऊपर बना हुआ है। पश्चिमी राजस्थान में जहां भीषण लू का प्रकोप रहेगा, वहीं पूर्वी हिस्से के अलवर, जोधपुर और अजमेर जैसे जिलों में धूल भरी आंधी और बारिश का अलर्ट है। छत्तीसगढ़ और झारखंड में भी गर्म हवाएं चलने की आशंका है।

इसके विपरीत, देश के पूर्वी, पूर्वोत्तर और दक्षिणी हिस्सों में प्री-मॉनसून गतिविधियों के कारण मौसम मेहरबान है। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड सहित पूरे पूर्वोत्तर में अगले एक सप्ताह तक भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है।

अब अस्पताल की तरह 24 घंटे काम करेगी न्यायपालिकाज

-सीजेआई सूर्यकांत का बड़ा बयान

जबलपुर,मध्यप्रदेश के जबलपुर स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस कल्चर एंड इंफॉर्मेशन सेंटर में शनिवार को आयोजित च्चेंगमेंटेशन ऑफ फ्यूजनरू एम्पावरिंग जस्टिस वाया यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म इंटीग्रेशनज् कार्यक्रम में भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने न्यायपालिका को 24 घंटे सक्रिय और तकनीक आधारित बनाने की जरूरत पर जोर दिया।कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल सहित न्यायपालिका और प्रशासनिक क्षेत्र की कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं। सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि जैसे अस्पतालों में मरीजों की पूरी मेडिकल हिस्ट्री एक स्क्रीन पर उपलब्ध रहती है, उसी तरह न्याय व्यवस्था को भी तकनीक के जरिए पूरी तरह एकीकृत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, च्अब समय आ गया है कि हमारी न्यायपालिका भी अस्पतालों की तरह 24द्ध7 काम करे।ज् उन्होंने नर्मदा नदी का उल्लेख करते हुए कहा कि छोटी-छोटी धाराओं और झरनों के मिलकर विशाल मां नर्मदा का स्वरूप लेने जैसा ही अनुभव न्यायिक प्रणाली में तकनीकी एकीकरण से हो रहा है। उन्होंने कहा कि अब कोर्ट, पुलिस, जेल, फॉरेंसिक और मेडिको-लीगल सिस्टम एक साथ समन्वित होकर काम करने में सक्षम हो रहे हैं।

जो लोग पार्टी छोड़ना चाहते हैं वे ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं

हार के बाद ममता ने बैठक में कहा- मैं नए सिरे से खड़ी करूंगी पार्टी

कोलकाता, तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने हाल के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाग लेने वाले अपने उम्मीदवारों से पार्टी संगठन को फिर से खड़ा करने का आह्वान किया है उन्होंने कहा कि जो लोग पार्टी छोड़ना चाहते हैं वे ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं। यहां कालीघाट में अपने घर पर तृणमूल उम्मीदवारों के साथ हुई बैठक में उन्होंने कहा कि हाल के विधानसभा चुनाव में करारी हार के बावजूद पार्टी संगठन फिर से उठ खड़ा होगा। इस बैठक में पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी भी मौजूद थे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक ममता बनर्जी ने कहा कि जो लोग दूसरी पार्टियो में जा रहे हैं, उन्हें जाने दीजिए। मैं पार्टी को नए सिरे से खड़ा करूंगी। जो लोग पार्टी में बने रहेंगे, उनसे मैं कहती हूं कि क्षतिग्रस्त पार्टी कार्यालयों को फिर से तैयार कीजिए, उन्हें रंगिए और फिर से खोलिए। जरूरत पड़ने पर मैं भी उन्हें रंग दूंगी। टीएमसी कभी नहीं झुकेगी। जनादेश लूटा गया है। चुनावी नतीजों में नाटकीय उलटफेर के बाद टीएमसी के सत्ता गंवाने के कुछ दिनों बाद ममता बनर्जी की ये टिप्पणियां सामने आईं।

पार्टी ने लिखा कि आज, हमारी अध्यक्ष ममता बनर्जी और हमारे राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कालीघाट में हमारे उम्मीदवारों से मुलाकात की। उन्होंने अकल्पनीय अत्याचारों और निरंतर धमकियों का सामना करते हुए भी अद्वितीय साहस के साथ चुनाव लड़ा। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि बनर्जी ने इस बैठक का इस्तेमाल चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों का मनोबल बढ़ाने के लिए किया। पश्चिम बंगाल में सत्ता गंवा चुकी टीएमसी ने वफादारी और राजनीतिक ताकत के महत्व देने का संदेश देते हुए पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने गुरुवार को काकोली घोष दस्तीदार को हटाकर कल्याण बनर्जी को लोकसभा में दल का मुख्य व्हिप नियुक्त किया।

होर्मुज का टंटा खत्म! यूएई और ओमान देंगे भारत को तेल

अब एलपीजीए पेट्रोल और डीजल की नहीं होगी किल्लत

नई दिल्ली ईरान युद्ध के कारण इस समय न केवल पश्चिम एशिया बल्कि पूरी दुनिया में संकट की स्थिति पैदा हो गई है। अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों के बाद एनर्जी कॉरिडोर के नाम से विख्यात होर्मुज जलडमरूमध्य ;स्ट्रेट ऑफ होर्मुजद्ध से तेल और गैस ले जाने वाले जहाजों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई है। इससे भारत सहित कई प्रमुख देशों में ईंधन की आपूर्ति पर सीधा असर पड़ा है। इस ऊर्जा संकट से निपटने के लिए भारत ने होर्मुज स्ट्रेट पर अपनी निर्भरता कम करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया यूएई दौरे के दौरान देश की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर एक ऐतिहासिक करार हुआ है।

अब खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव को देखते हुए भारत ने ओमान से सीधे गहरे समुद्र के रास्ते गैस पाइपलाइन बिछाने की महत्वाकांक्षी योजना पर भी काम तेज कर दिया है। करीब 40ए000 करोड़ रुपये की लागत वाली इस डीप.सी गैस पाइपलाइन परियोजना के जरिए ओमान से सीधे भारत तक गैस लाई जाएगी। सरकार जल्द ही सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों जैसे गेलए इंजीनियर्स इंडिया और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को इस प्रोजेक्ट की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दे सकती है। इस परियोजना को पूरा होने में पांच से सात साल का समय लग सकता है। इन दोनों बड़ी योजनाओं पर अमल होने से भारत में तेल और रसोई गैस की किल्लत हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी और वैश्विक कीमतों में उतार.चढ़ाव का देश पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

इस नए समझौते के तहत संयुक्त अरब अमीरात ;यूएईद्ध की सरकारी तेल कंपनी अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी भारत में अपने कच्चे तेल के भंडारण को बढ़ाकर 30 मिलियन बैरल करेगी। यह भारत का एक महत्वपूर्ण सामरिक पेट्रोलियम भंडार ;स्ट्रैटजिक रिजर्वद्ध होगा। वर्तमान में भारत के पास विशाखापत्तनमए मंगलूरू और पादुर में कुल 5ण्3 मिलियन टन का रणनीतिक भंडार है। यूएई के इस कदम से भारत के रिजर्व में चार मिलियन टन से अधिक अतिरिक्त कच्चा तेल जुड़ जाएगाए जो संकट के समय देश के बेहद काम आएगा।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस की बैलगाड़ी यात्रा- केंद्र सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, राजधानी दिल्ली में बढ़ती महंगाई के विरोध में कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस पार्टी नेताओं ने प्रतीकात्मक बैलगाड़ी यात्रा निकालकर पेट्रोल, डीजल, दूध, सब्जियों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की लगातार बढ़ती कीमतों पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। इस दौरान सरकार पर आम जनता की अनदेखी करने का आरोप लगाया। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देविंदर यादव के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता शामिल हुए। उन्होंने पारंपरिक बैलगाड़ी पर सवार होकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर कहा कि बेलगाम महंगाई ने आम लोगों का जीवन दूभर किया है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी का सीधा असर रोजमर्रा की जरूरतों पर पड़ रहा है। दूध, सब्जियां, रसोई गैस और अन्य घरेलू सामानों के दाम आसमान छू रहे हैं, जिससे मध्यम वर्ग और गरीब परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में महंगाई दोगुनी हो गई है और केंद्र सरकार नागरिकों को राहत देने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने बताया कि बैलगाड़ी यात्रा प्रतीकात्मक रूप से यह दर्शाने के लिए निकाली गई है कि महंगाई और ईंधन की ऊंची कीमतें लोगों को आधुनिक परिवहन से भी दूर कर रही हैं। नेताओं का दावा था कि सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण आम आदमी की आय और खर्च के बीच का संतुलन बुरी तरह बिगड़ गया है। इस प्रदर्शन में कई ऑटो चालकों, डिलीवरी बॉय और मध्यम वर्ग से जुड़े लोगों ने भी अपनी आपबीती सुनाकर नाराजगी जाहिर की। उनका कहना था कि पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के दाम बढ़ने से उनकी रोजमर्रा की कमाई प्रभावित हो रही है, वहीं घरेलू बजट पर भी महंगाई का भारी दबाव पड़ रहा है। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से मांग की कि वह पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले टैक्स में कटौती करे, रसोई गैस की कीमतों में राहत दे और आवश्यक वस्तुओं के दामों को नियंत्रित करने के लिए तत्काल कदम उठाए। पार्टी नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि महंगाई पर जल्द नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला और तेज किया जाएगा।

यूपी में दो अलग-अलग मुठभेड़ में तीन बदमाश गिरफ्तार, हथियार-नकदी बरामद

देर रात गाड़ियों की चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़

लखनऊ, यूपी के एटा और बुलंदशहर में हुए एनकाउंटर में पुलिस ने तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से अवैध हथियार बरामद हुए हैं। एटा में जैथरा इलाके के धौली रोड पर देर रात गाड़ियों की चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। अपराधियों ने भागने की कोशिश करते फायरिंग की। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया है।

पुलिस ने मौके से अवैध हथियार, नकदी और एक बाइक बरामद की है। ये दोनों आरोपी जिले में छिनैती और लूटपाट के मामलों से जुड़े हुए हैं। सीओ राजेश कुमार सिंह ने बताया कि 15 मई को जैथरा इलाके में गाड़ियों की चेकिंग की जा रही थी...चेकिंग के दौरान दो बाइक सवार पुलिस टीम की तरफ आते हुए दिखाई दिए। उन्हें रुकने का इशारा किया लेकिन उन्होंने अपनी गाड़ी की रफ्तार बढ़ा दी।

सेडान होंडा सिटी का फेसलिफ्ट मॉडल होगा 22 को पेश

नई दिल्ली । होंडा की अपने लोकप्रिय सेडान होंडा सिटी का फेसलिफ्ट मॉडल 22 मई को लॉन्च करने की तैयारी है। इस औपचारिक लॉन्च से पहले ही कार की तस्वीरें ऑनलाइन लीक हो गई है। तस्वीरों में होंडा सिटी का नया और ताज़ा फ्रंट डिजाइन स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, जिसमें शार्प एलईडी हेडलाइट्स, एक पुनः डिज़ाइन की गई ग्रिल, अपडेटेड बंपर और नए आकर्षक अलॉय व्हील्स शामिल हैं, जो कार को एक अधिक आधुनिक और स्पोर्टी लुक प्रदान करते हैं। यह बदलाव सिटी को अपने प्रतिस्पर्धियों के सामने और भी आकर्षक बना देगा। कार के इंटीरियर में भी बड़े बदलावों की उम्मीद है।

जैन इरिगेशन को 19 करोड़ रुपए का घाटा

नई दिल्ली। जैन इरिगेशन सिस्टम्स को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 19 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। मुख्य रूप से अधिक खर्च के कारण कंपनी का घाटा बढ़ा है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले इसी तिमाही में उसे 27.86 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। कुल आय मार्च तिमाही में बढ़कर 1,824.63 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले 2024-25 की इसी तिमाही में 1,750.15 करोड़ रुपये थी। हालांकि इस दौरान खर्च बढ़कर 1,774.91 करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले इसी तिमाही में 1,703.71 करोड़ रुपये था।

पेट्रोल और डीजल के भाव बढ़ने से व्यापारिक संगठन चिंतित

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल और डीजल की हालिया मूल्य वृद्धि ने व्यापारिक संगठनों को चिंतित कर दिया है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने चेतावनी दी है कि इसका असर पूरे व्यापारिक ढांचे पर पड़ेगा, जिससे महंगाई बढ़ेगी और उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति प्रभावित होगी। सीटीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर सबसे बड़ा असर पड़ेगा, जहां ट्रकों का दैनिक डीजल खर्च 250-300 रुपए तक बढ़ जाएगा। इससे माल ढुलाई की लागत बढ़ेगी और लॉजिस्टिक्स महंगे होंगे। दिल्ली के थोक बाजारों में बाहर से आने वाले सामान का भाड़ा 3 से 5 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।

सेल का चौथी तिमाही में मुनाफा बढ़कर 1,680 करोड़ पर

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) का एकल आधार पर मुनाफा 42 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 1,680 करोड़ रुपये रहा।सेल एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में कंपनी ने 1,178 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। चौथी तिमाही में कंपनी की परिचालन आय बढ़कर 30,813 करोड़ रुपये रही।

बाजार में तूफान- पीएम मोदी की किफायत अपील और वैश्विक तनाव ने

भारतीय शेयर बाजार को हिलाया

- शुरुआती भारी गिरावट के बाद शेयर बाजार में दिखी मामूली रिकवरी, रुपया भी रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा

मुंबई। बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद उथल-पुथल भरा रहा, जो निवेशकों के धैर्य की कड़ी परीक्षा लेता दिखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देश के लोगों से किफायत बरतने की अपील के बाद बाजार में भूचाल आ गया, जिससे शुरुआती कारोबारी दिनों में प्रमुख सूचकांकों में भारी गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली ने इस गिरावट को और गहरा कर दिया। डॉलर के मुकाबले रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया, जो देश की आर्थिक चिंताओं को बढ़ा रहा था।

हालांकि, हफ्ते के मध्य से बाजार में कुछ रिकवरी देखने को मिली, लेकिन शुक्रवार को हुई आखिरी सत्र की बिकवाली ने हफ्ते भर की बढ़त को आंशिक रूप से समाप्त कर दिया, जिससे बाजार का सफर एक रोलरकोस्टर राइड जैसा महसूस हुआ। पीएम की अपील और बाजार में बड़ी गिरावट- पीएम की अपील और बाजार में बड़ी गिरावट हफ्ते की शुरुआत ही झटके के साथ हुई। प्रधानमंत्री मोदी की देशवासियों से किफायत बरतने की अपील का सीधा असर घरेलू शेयर बाजार पर दिखा। सोमवार को शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स करीब 900 अंक तक टूट गया, वहीं निफ्टी भी 23950 के नीचे आ गया। दिनभर चली बिकवाली के कारण प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,312.91 अंक गिरकर 76,015.28 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 360.30 अंक लुढ़ककर 23,815.85 पर आ गया।

भू-राजनीतिक तनाव और रिकॉर्ड गिरावट- भू-राजनीतिक तनाव और रिकॉर्ड गिरावट सोमवार की गिरावट का सिलसिला मंगलवार को भी जारी रहा और बाजार पर दबाव और बढ़ गया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत को लेकर अनिश्चितता और विदेशी निवेशकों की लगातार चौथे कारोबारी सत्र में बिकवाली ने बाजार को और नीचे धकेल दिया। शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स 525.44 अंक और निफ्टी 164.5 अंक नीचे आ गया। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,456.04 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 74,559.24 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 436.30 अंक टूटकर 23,379.55 पर आ गया। गिरावट पर लगाम, बाजार में स्थिरता- दो दिनों की भारी बिकवाली के बाद बुधवार को बाजार में कुछ स्थिरता देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में मामूली बढ़त के बाद, हालांकि सूचकांक नकारात्मक दायरे में फिसल गए, लेकिन दिन के अंत में बिकवाली पर लगाम लगी। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 49.74 अंक बढ़कर 74,608.98 पर बंद हुआ। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 33.05 अंक बढ़कर 23,412.60 पर समाप्त हुआ।

वैश्विक तेल उछला, रूस-वेनेजुएला को मिली आर्थिक संजीवनी

- ब्रेंट क्रूड 120 डॉलर के पार, पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद रूस का निर्यात बढ़ा

नई दिल्ली। ईरान में जारी युद्ध के कारण पिछले दो महीनों से दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं भारी दबाव में हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल से पेट्रोल-डीजल सहित परिवहन और खाद्य पदार्थों की कीमतें आसमान छू रही हैं, जिससे वैश्विक महंगाई बढ़ रही है। इस संकटपूर्ण माहौल के बावजूद, रूस और वेनेजुएला जैसे दो प्रमुख तेल उत्पादक देशों ने अप्रत्याशित रूप से अपनी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत किया है। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमतें 72 डॉलर से बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई।

इस तेजी का सबसे बड़ा फायदा रूस को हुआ, जिसने पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद अपने उरल्स कच्चे तेल की कीमतों और निर्यात राजस्व में भारी वृद्धि देखी। मार्च 2026 में उसका तेल निर्यात करीब 19 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिससे यूक्रेन युद्ध के चलते आए आर्थिक दबावों से निपटने में मदद मिली।

रूस भारत और चीन जैसे देशों को पुराने टैंकरों (शैडो फ्लीट) के जरिए बड़े पैमाने पर तेल भेज रहा है, पहले छूट पर और अब ऊंची कीमतों पर। दूसरी ओर वेनेजुएला ने भी इस संकट का लाभ उठाया है। दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार वाले इस देश का उत्पादन अमेरिकी प्रतिबंधों और खराब प्रबंधन के कारण लंबे समय से गिर रहा था। लेकिन ईरान संकट के बाद अमेरिका ने तेल आपूर्ति बनाए रखने के लिए वेनेजुएला पर लगे कुछ प्रतिबंधों में ढील दी। अमेरिकी कंपनी शेवरॉन को उत्पादन की अनुमति मिलने के बाद वेनेजुएला का तेल उत्पादन अब 9 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था को नई जान मिली है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऊंची तेल कीमतें जहां इन दो देशों को राहत दे रही हैं, वहीं तेल आयात करने वाले देशों में महंगाई और आर्थिक दबाव तेजी से बढ़ रहा है, जबकि पारंपरिक उत्पादक पूरी तरह फायदा नहीं उठा पा रहे।

नई सेल्टॉस को लेकर ग्राहकों के बीच चर्चा तेज

नई दिल्ली। किआ कंपनी की नई सेल्टॉस को लेकर ग्राहकों के बीच पहले से ही काफी उत्साह है। अब हाइब्रिड वर्जन की खबर ने इसकी चर्चा और बढ़ा दी है। हाल ही में इस एसयूवी का फुली कैमोफ्लाज्ड मॉडल टेस्टिंग के दौरान सड़कों पर देखा गया, जिसके बाद माना जा रहा है कि कंपनी जल्द ही इसका आधिकारिक खुलासा कर सकती है।

रिपोर्ट्स के अनुसार नई सेल्टॉस हाइब्रिड में डिजाइन के स्तर पर ज्यादा बदलाव नहीं किए जाएंगे। स्पाई तस्वीरों में इसमें फेसलिफ्टेड मॉडल जैसी कनेक्टेड एलईडी टेललाइट्स दिखाई दी हैं। इसके अलावा फ्लश टाइप डोर हैंडल और नए अलॉय व्हील्स भी देखने को मिले हैं। इससे संकेत मिलता है कि कंपनी मुख्य बदलाव इंजन और मैकेनिकल सेटअप में करने जा रही है। माना जा रहा है कि कंपनी इसमें नया 1.5 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दे सकती है, जो एटकिंसन-साइकिल तकनीक पर आधारित होगा। इसके साथ एक इलेक्ट्रिक मोटर और छोटी बैटरी पैक भी जोड़ी जाएगी। यह हाइब्रिड सेटअप करीब 155 बीएचपी की ताकत और 265 एनएम टॉर्क जनरेट कर सकता है। यह पावर मौजूदा टर्बो पेट्रोल इंजन के लगभग बराबर मानी जा रही है।

कंपनी नई सेल्टॉस के साथ दो नए टॉप-एंड ट्रिम भी लाने की तैयारी में है। इनमें जीटीएक्स प्लस और एक्स-लाइन (ओ) शामिल होंगे। इन वेरिएंट्स में ज्यादा प्रीमियम फीचर्स और बेहतर टेक्नोलॉजी मिलने की उम्मीद है। बेहतर माइलेज, दमदार परफॉर्मेंस और आधुनिक फीचर्स के चलते यह एसयूवी लॉन्च के बाद मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में बड़ा मुकाबला पैदा कर सकती है। किआ इंडिया अपनी एसयूवी लाइनअप को लगातार मजबूत कर रही है और सेल्टॉस का हाइब्रिड वर्जन इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

बर्जर पेंट्स ने बाजार में भरा रंग, शेयर 11 फीसदी उछले, ब्रोकरेज भी उत्साहित

- मार्च तिमाही के दमदार नतीजों और वित्त वर्ष 27 की मजबूत संभावनाओं से निवेशकों में जोश

नई दिल्ली। देश की दूसरी सबसे बड़ी पेंट कंपनी बर्जर पेंट्स के शेयरों ने इस हफ्ते शानदार प्रदर्शन किया है। मार्च तिमाही के मजबूत नतीजों और वित्त वर्ष 2027 के लिए उज्ज्वल संभावनाओं के चलते कंपनी के शेयर करीब 11 फीसदी तक उछल गए हैं। ज्यादातर ब्रोकरेज फर्मों ने कंपनी की भविष्य की संभावनाओं को लेकर सकारात्मक राय व्यक्त की है, जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। दमदार तिमाही प्रदर्शन और वृद्धि के प्रमुख कारक- बर्जर पेंट्स ने मार्च तिमाही में बिक्री में 6 फीसदी की शानदार बढ़त हासिल की, जो पिछले 12 तिमाहियों में कारोबार वृद्धि का सबसे ऊंचा स्तर है। कंपनी की एकल बिक्री में सालाना आधार पर 11.8 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई। इस प्रदर्शन में कीमतों में वृद्धि से पहले चैनल द्वारा किए गए स्टॉक और बाजार में मांग में सुधार का अहम योगदान रहा। प्रीमियम इमल्शन उत्पादों की बढ़ती लोकप्रियता, बेहतर उत्पाद मिश्रण और चौथी तिमाही के अंत में की गई कीमतों में वृद्धि ने भी बिक्री मूल्य को 6.7 फीसदी ऊपर ले जाने में मदद की। इक्विरस सिक्योरिटीज जैसे विश्लेषक उम्मीद कर रहे हैं कि भले ही चैनल में स्टॉक जमा होने के कारण चौथी तिमाही के ऊंचे वृद्धि स्तरों से कुछ सामान्यीकरण हो, लेकिन भविष्य में वैल्यू ग्रोथ, वॉल्यूम ग्रोथ से आगे निकल जाएगी। ब्रोकरेज फर्मों ने वित्त वर्ष 2027 के लिए 9-10त्न राजस्व वृद्धि का अनुमान लगाया है। बर्जर को पश्चिम बंगाल जैसे प्रमुख बाजारों में औद्योगिक गतिविधियों और पूंजीगत खर्च में वृद्धि से लाभ मिलने की उम्मीद है, साथ ही मझोले और छोटे शहरों के साथ-साथ ग्रामीण बाजारों में इसकी मजबूत उपस्थिति भी वृद्धि को बढ़ावा देगी। कंपनी वितरण नेटवर्क में दोहरे अंक में विस्तार और शहरी बाजारों में तेजी से वृद्धि पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। कंपनी के लिए एक और अहम सकारात्मक पहलू प्रतिस्पर्धा में कमी आना है। बर्जर ने बताया है कि बिड़ला ओपस जैसे प्रतिस्पर्धियों द्वारा कीमतों में अधिक वृद्धि करने और छूट/डीलर मार्जिन कम करने से मुकाबले की तीव्रता घटी है। इससे बर्जर को अपनी बाजार स्थिति मजबूत करने में मदद मिली है।

टाटा सिएरा ईवी को जल्द लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में टाटा मोटर्स अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी टाटा सिएरा को जल्द लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। ग्राहकों के बीच इसे लेकर काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। जानकारी के मुताबिक यह एसयूवी जून 2026 के आखिर तक बिक्री के लिए उपलब्ध हो सकती है। नई सिएरा ईवी को कंपनी अपने एक्टिव.ईवी+ स्केटबोर्ड प्लेटफॉर्म पर तैयार कर रही है।

यह मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म इलेक्ट्रिक और इंटरनल कंबशन इंजन दोनों तकनीकों को सपोर्ट करता है। डिजाइन की बात करें तो इसमें बंद फ्रंट ग्रिल, स्प्लिट हेडलाइट्स, एलईडी डीआरएल, फ्लश डोर हैंडल और कनेक्टेड एलईडी लाइट बार जैसे आधुनिक फीचर्स देखने को मिलेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी इसे 55 केडब्ल्यूएच और 65 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक विकल्पों के साथ पेश कर सकती है। बड़ी बैटरी वाला मॉडल एक बार चार्ज करने पर 500 किलोमीटर से ज्यादा की ड्राइविंग रेंज देने में सक्षम होगा। इसके अलावा सभी वेरिएंट में फास्ट चार्जिंग सपोर्ट मिलने की उम्मीद है।

इंटीरियर में सिएरा ईवी को बेहद प्रीमियम बनाया गया है। इसमें 12.3 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, 12.3 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और पैसेंजर के लिए अलग डिस्प्ले दिया जा सकता है। इसके अलावा लेवल-2 एडीएएस, 360 डिग्री कैमरा, पैनोरमिक ग्लास रूफ, पावर्ड सीट्स और एंबिएंट लाइटिंग जैसे फीचर्स भी मिल सकते हैं। कंपनी इस इलेक्ट्रिक एसयूवी की शुरुआती कीमत करीब 18.5 लाख रुपये रख सकती है।

कई नई बाइक लॉन्च करने की योजना बना रही रॉयल एनफील्ड

नई दिल्ली। बाइक निर्माता रॉयल एनफील्ड कंपनी 650 सीसी और 750 सीसी प्लेटफॉर्म पर कई नई मोटरसाइकिलें लॉन्च करने की योजना बना रही है। रॉयल एनफील्ड अब इलेक्ट्रिक बाइक सेगमेंट में भी तेजी से कदम बढ़ा रही है। कंपनी सबसे पहले नए 750 सीसी प्लेटफॉर्म पर आधारित हिमालयन 750 लॉन्च कर सकती है।

इसके अलावा बड़ी कॉन्टिनेंटल जीटी पर भी काम चल रहा है। हालांकि मौजूदा 650 सीसी कॉन्टिनेंटल जीटी की बिक्री जारी रहेगी। नया प्लेटफॉर्म कंपनी की सबसे प्रीमियम और पावरफुल मोटरसाइकिल लाइनअप माना जा रहा है। वहीं क्लासिक लुक पसंद करने वाले ग्राहकों के लिए बुलेट 650 भी जल्द बाजार में दस्तक दे सकती है। इसमें 648 सीसी इंजन मिलेगा, जो लगभग 47 बीएचपी की ताकत देगा। बाइक में 6-स्पीड गियरबॉक्स और स्लिपर क्लच जैसे आधुनिक फीचर्स भी होंगे। एडवेंचर बाइक पसंद करने वालों के लिए कंपनी हिमालयन 440 भी लाने की तैयारी कर रही है।

इसे अपेक्षाकृत किफायती कीमत पर पेश किया जा सकता है, ताकि ज्यादा ग्राहक एडवेंचर बाइकिंग का अनुभव ले सकें। रॉयल एनफील्ड इलेक्ट्रिक सेगमेंट में भी बड़ा दांव खेलने जा रही है। कंपनी 'फ्लाइंग फ्ली सी6' के बाद अब नई इलेक्ट्रिक स्क्रैम्बलर बाइक एस6 लाने की तैयारी में है। इसके अलावा इलेक्ट्रिक हिमालयन पर भी तेजी से काम चल रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि 2026 और 2027 रॉयल एनफील्ड के लिए बेहद अहम साल साबित हो सकते हैं, क्योंकि कंपनी हर तरह के ग्राहकों के लिए नए मॉडल और तकनीक पेश करने जा रही है। बता दें कि मशहूर दोपहिया वाहन निर्माता रॉयल एनफील्ड आने वाले वर्षों में अपने पोर्टफोलियो को बड़े स्तर पर अपडेट करने की तैयारी कर रही है।

ईंधन कीमत वृद्धि का लाभ धो डालेगी रुपये की गिरावट: रिपोर्ट

- 3 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि से मिली 52,700 करोड़ की राहत

नई दिल्ली । भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आर्थिक अनुसंधान विभाग ने अपनी इकोरैप रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में और गिरावट से तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को वाहन ईंधन की कीमतों में हाल ही में की गई बढ़ोतरी से मिलने वाला पूरा लाभ समाप्त हो सकता है। यह चिंता ऐसे समय में आई है जब शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर 95.81 पर बंद हुआ। सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की बढ़ती वैश्विक कीमतों के मद्देनजर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन-तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। इस कदम से ओएमसी को खुदरा बिक्री पर हो रहे नुकसान (अंडर-रिकवरी) में करीब 52,700 करोड़ रुपये की राहत मिल सकती है, जो वित्त वर्ष 2026-27 में अपेक्षित कुल नुकसान का लगभग 15 प्रतिशत है। हालांकि, रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि यदि रुपये में मौजूदा औसत स्तर से केवल दो रुपये की और कमजोरी आती है, तो कच्चे तेल के आयात की लागत इतनी बढ़ जाएगी कि ईंधन मूल्य वृद्धि का पूरा लाभ समाप्त हो जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, रुपया पहले ही एक महत्वपूर्ण गिरावट स्तर के करीब है, जिसके बाद और कमजोरी से लाभ खत्म हो सकता है। एसबीआई रिपोर्ट में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के हवाले से यह भी बताया गया है कि तेल विपणन कंपनियों को प्रतिदिन लगभग 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है, जो सालाना लगभग 3.6 लाख करोड़ रुपये बैठता है।

18700 रुपए किलो चांदी के दाम गिरे एक दिन में

चांदी की गिरावट और तेजी , बाजार हैरान

-ई टी एफ में चांदी की गिरावट में चार बड़े कारण

मुंबई । अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमतों में एक ही दिन में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। घरेलू बाजार में चांदी करीब 18,700 रुपए प्रति किलो तक टूट गई, जिससे निवेशक और कारोबारी दोनों हैरान रह गए।

वहीं सिल्वर ईटीएफ में भी करीब 9 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई। विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने की आशंका और डॉलर की मजबूती ने कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ा दिया है।

जानकारों का कहना है कि महंगाई के आंकड़े उम्मीद से अधिक आने के बाद निवेशकों ने सुरक्षित निवेश के तौर पर डॉलर की ओर रुख किया। इसके चलते सोना और चांदी दोनों कमजोर हुए।

इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में औद्योगिक मांग घटने और बड़े निवेशकों की बिकवाली ने भी चांदी की कीमतों को नीचे खींचा।

हालांकि बाजार विशेषज्ञ मानते हैं कि यह गिरावट लंबे समय तक नहीं रह सकती। औद्योगिक उपयोग और वैश्विक मांग बढ़ने पर आने वाले समय में चांदी में फिर तेजी देखने को मिल सकती है। फिलहाल निवेशकों की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की अगली नीति बैठक पर टिकी हुई है।

एनएसई आईपीओ से पहले ब्रोकरेज की हिस्सेदारी न्यूनतम स्तर पर

- डीम्युचुअलाइजेशन और हितों के टकराव से बचने के उपायों ने बाजार संचालन को बेहतर बनाया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शेयर बाजार (एनएसई) में ब्रोकरेज कंपनियों की हिस्सेदारी उसके बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले तेजी से घट रही है। यह गिरावट मार्च 2019 के उच्चतम स्तर 53.9 फीसदी से मार्च 2026 तक अनुमानित 35.6 फीसदी तक पहुंच गई है, जो मार्च 2016 के बाद का सबसे निचला स्तर होगा। इस बदलाव का मुख्य कारण डीम्युचुअलाइजेशन प्रक्रिया और हितों के टकराव से बचने के लिए किए गए नियामकीय उपाय हैं। भारत सरकार ने 2000 के दशक की शुरुआत में स्टॉक एक्सचेंजों में डीम्युचुअलाइजेशन प्रक्रिया शुरू की थी। इसका उद्देश्य ट्रेडिंग अधिकारों को एक्सचेंज के संचालन से अलग करना था, ताकि ब्रोकर अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए बाजार के कामकाज को प्रभावित न कर सकें। एनएसई की स्थापना ही एक डीम्युचुअलाइज्ड संस्था के रूप में हुई थी, जिससे वह इस दिशा में पहले से ही अग्रसर था। बाजार के जानकारों के अनुसार ब्रोकरों के हित आज भी स्टॉक एक्सचेंजों के साथ जुड़े हुए हैं। वे अपने फीडबैक और क्लाइंट्स को बाजार में लाकर इसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने हाल के वर्षों में ट्रेडिंग वॉल्यूम में भारी वृद्धि के बावजूद ब्रोकरों की विफलताओं की घटनाओं में कमी के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समय पर किए गए नियामकीय हस्तक्षेपों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह भारतीय बाजारों की प्रगति और दुनिया के बाकी बाजारों की तुलना में इसके उच्च मानकों का प्रमाण है, जो एक मजबूत इकोसिस्टम को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ये उपाय समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं।

सीधी, सिंगरौली प्रभा

रविवार, 17 मई 2026

मैहर जिले में उद्यानिकी मिशन योजना के संचालन हेतु जिला मिशन समिति गठित

मैहर उद्यानिकी मिशन योजना के प्रभावी संचालन एवं क्रियान्वयन के लिए भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देश 2025 तथा मध्यप्रदेश शासन उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग मंत्रालय भोपाल के आदेश के तहत मैहर जिले में जिला मिशन समिति (डीएमसी) का गठन किया गया है। समिति के गठन को प्रभारी मंत्री मैहर द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है। उप संचालक उद्यान अनिल कुमार सिंह ने बताया कि कलेक्टर मैहर श्रीमती विदिशा मुखर्जी को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है।

मैहर के अस्पतालों में चला विशेष स्वच्छता अभियान

मैहर कलेक्टर मैहर विदिशा मुखर्जी के निर्देशानुसार प्रत्येक शनिवार को जिले के सभी विकासखण्डों के शासकीय अस्पतालों में स्वच्छता को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मैहर, अमरपाटन और रामनगर के सिविल अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अभियान चलाकर व्यापक साफसफाई की गई। अस्पताल परिसर में वार्ड, परिसर, शौचालय सहित सभी स्थानों की सघन सफाई कर व्यवस्था को बेहतर बनाया गया। नगर परिषद की टीम ने पूरे परिसर को चकाचक कर स्वच्छता का संदेश दिया।

पर ड्रॉप मोर क्रॉप योजना हेतु मैहर जिले में जिला स्तरीय कार्यान्वयन समिति गठित

मैहर पर ड्रॉप मोर क्रॉप योजनान्तर्गत प्रभारी मंत्री मैहर के अनुमोदन उपरांत मैहर जिले के लिए जिला स्तरीय कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है। गठित समिति में कलेक्टर को अध्यक्ष तथा उपसंचालक उद्यान को सचिव नियुक्त किया गया है। उप संचालक उद्यान अनिल कुमार सिंह ने बताया कि समिति में प्रगतिशील कृषक ग्राम सोनवारी निवासी नर्वदा प्रसाद पटेल, माइक्रो इरीगेशन उद्योग के प्रतिनिधि ग्राम भटगवां निवासी देवेन्द्र सिंह तथा मैहर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के प्रमुख रोहित पटेल को सदस्य बनाया गया है।

1 जून से होगी कक्षा 5वीं और 8वीं की द्वितीय परीक्षा

सीधी सत्र 2025-26 के अंतर्गत कक्षा 5वीं एवं 8वीं के मुख्य परीक्षा में अनुत्तीर्ण छात्र-छात्राओं के लिए द्वितीय परीक्षा (पुनः परीक्षा) 1 जून से आयोजित की जाएगी। परीक्षा को पारदर्शी, निष्पक्ष और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला शिक्षा केंद्र ने सभी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं।

जिलेभर में इस परीक्षा के लिए कुल 64 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें कुसमी में 10, मझौली में 10, रामपुर नैकिन में 15, सीधी में 13 तथा सिहावल विकासखंड में 16 परीक्षा केंद्र शामिल हैं। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा परीक्षा की समय-सारणी के साथ आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं।

सर्वोच्च न्यायालय परिसर में 21 से 23 अगस्त तक विशेष लोक अदालत

सीधी न्याय को सरल, सुलभ और जनसामान्य तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ÷समाधान समारोह-2026÷ अभियान के अंतर्गत 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को सर्वोच्च न्यायालय परिसर में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

समर कैंप में छात्राओं को मिल रहा आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

सीधी जिला स्तरीय समर कैंप के अंतर्गत उत्कृष्ट विद्यालय सीधी में छात्राओं के सर्वांगीण विकास और आत्मरक्षा कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ÷खालसा÷ आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह समर कैंप 10 मई से संचालित किया जा रहा है।

सेमरिया में कार्रवाई आवासीय क्षेत्र से भारी मात्रा में
पटाखा एवं विस्फोटक सामग्री जब्त

कलेक्टर के नेतृत्व में पटाखा भंडारण केंद्रों का सघन निरीक्षण

सीधी जिले में जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री विकास मिश्रा के निर्देशन में जिलेभर के पटाखा भंडारण केंद्रों का सघन निरीक्षण किया गया। कलेक्टर ने स्वयं शहरी क्षेत्र के पटाखा भंडारण केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया, जबकि अन्य क्षेत्रों में कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारियों द्वारा संयुक्त जांच अभियान चलाया गया।

इसी क्रम में नायब तहसीलदार एकता शुक्ला के नेतृत्व में राजस्व विभाग एवं थाना सेमरिया पुलिस की संयुक्त टीम ने ग्राम सेमरिया में बड़ी कार्रवाई की। टीम ने उमेश कुमार गुप्ता, पिता मोतीलाल गुप्ता, निवासी ग्राम सेमरिया, तहसील गोपद बनास की पटाखा दुकान का निरीक्षण किया।

जांच के दौरान दुकानदार द्वारा लाइसेंस प्रस्तुत किया गया, लेकिन जांच में यह सामने आया कि उनके पास भंडारण के लिए अधिकृत गोदाम ग्राम मनकीसर कोठार में स्वीकृत है, जबकि सेमरिया मुख्य बाजार स्थित दुकान एवं आवासीय परिसर में अवैध रूप से भारी मात्रा में पटाखा एवं अन्य विस्फोटक सामग्री रखी गई थी।

प्रशासन ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए बताया कि रहवासी क्षेत्र में इतनी मात्रा में विस्फोटक सामग्री का भंडारण जन-धन के लिए बड़ा खतरा बन सकता था। संयुक्त टीम ने पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी कराते हुए पुलिस विभाग की मौजूदगी में विस्फोटक सामग्री की गणना कर उसे जप्त किया।

इसके बाद सामग्री को सील पैक कर आवासीय क्षेत्र से सुरक्षित बाहर कराया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उक्त मामले में विस्फोटक अधिनियम 1884 एवं विस्फोटक नियम 2008 के तहत नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर श्री विकास मिश्रा ने सभी पटाखा विक्रेताओं एवं भंडारण संचालकों को कड़े निर्देश दिए हैं कि लाइसेंस की शर्तों, निर्धारित भंडारण स्थलों और सभी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करें।

उन्होंने चेतावनी दी कि नियमों के उल्लंघन, अवैध भंडारण या सुरक्षा मानकों में लापरवाही पाए जाने पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आमजन की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कृषक कल्याण वर्ष के तहत कृषि रथों को दिखाई गई हरी झंडी

25 मई तक चलेगा व्यापक जनजागरूकता अभियान

सतना मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026 को ;कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाए जाने के उपलक्ष्य में जिले में कृषि एवं संबद्ध विभागों के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले में खरीफसीजन को ध्यान में रखते हुए 16 मई से 10 दिवसीय ÷कृषि रथ÷ अभियान का शुभारंभ शनिवार को किया गया। इस अवसर पर विकासखंड सोहावल में किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष कृष्णा पांडेय, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों एवं विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में कृषि रथ का शुभारंभ किया गया। इस दौरान रथ को ग्राम पंचायत खनगढ़ के लिए रवाना किया गया, जहां 58 किसानों ने भाग लिया। इसी प्रकार विकासखण्ड रामपुर बघेलान में जनपद सदस्य भूपेन्द्र सिंह, सरपंच सम्पत सिंह, विकासखण्ड नागौद में कृषि समिति अध्यक्ष रामसेवक पाल, एसडीएम जितेन्द्र बर्मा, विकासखण्ड उचेहरा में मंडी सचिव, जनपद सदस्य तथा विकासखण्ड मझगवां में पंचायत प्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों तथा कृषकों की उपस्थिति में कृषि रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह महत्वाकांक्षी अभियान जिले के प्रत्येक विकासखंड के अंतर्गत निर्धारित सभी ग्राम पंचायतों में पहुँचेगा।

कृषि रथ के माध्यम से किसानों को ई-विकास प्रणाली के तहत ई-टोकन उर्वरक वितरण, संतुलित उर्वरक उपयोग, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, कीट एवं रोग प्रबंधन, फसल विविधिकरण, पराली प्रबंधन तथा कृषि यंत्रीकरण संबंधी जानकारी दी जा रही है। साथ ही प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है।

11.54 लाख किसानों से 80.90 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का हुआ उपार्जन- खाद्य मंत्री

सतना खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि अभी तक 11 लाख 54 हजार 593 किसानों से 80 लाख 90 हजार 864 मीट्रिक टन गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। उन्होंने बताया है की तौल पर्ची बनाने का समय शाम 6 बजे से बढ़ाकर रात 10 बजे तक तथा देयक जारी करने का समय रात 12 तक कर दिया गया है। गेहूँ का उपार्जन सप्ताह में 6 दिन सोमवार से शनिवार तक किया जा रहा है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि किसानों के हित में गेहूँ उपार्जन की अवधि 9 मई से बढ़ाकर 23 मई 2026 तक की गई। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल कांटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की गई तथा तौल कांटों की संख्या में वृद्धि का अधिकार जिलों को दिए जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही एनआईसी सर्वर की क्षमता एवं संख्या में वृद्धि कराई गई। खाद्य विभाग द्वारा प्रति घंटा उपार्जन की मॉनिटरिंग की जा रही है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि किसानों को 9522.92 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। उपार्जित गेहूँ में से 69 लाख 12 हजार 735 मीट्रिक टन का परिवहन किया जा चुका है। किसानों से 2585 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस राशि सहित 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूँ का उपार्जन किया जा रहा है। भोपाल संभाग में 22 लाख 86 हजार 653, उज्जैन संभाग में 18 लाख 92 हजार 792, नर्मदापुरम संभाग में 6 लाख 43 हजार 490, जबलपुर संभाग में 8 लाख 96 हजार 187, सागर संभाग में 6 लाख 67 हजार 881, ग्वालियर संभाग में 3 लाख 32 हजार 94, रीवा संभाग में 4 लाख 77 हजार 510, इंदौर संभाग में 6 लाख 59 हजार 985, चंबल संभाग में एक लाख 77 हजार 589 और शहडोल संभाग में 5 लाख 66 हजार 83 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन हुआ है।

एमपी बिरला आरसीसीपीएल द्वारा दिव्यांगों को तिपहिया साइकिल वितरित

मैहर। दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए एमपी बिरला आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड के कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी सीएसआर विभाग ने पाँच दिव्यांग बच्चों को तिपहिया साइकिल प्रदान की।

इस अवसर पर आरसीसीपीएल इकाई प्रमुख देवेंद्र कुमार पटेल ने कहा एमपी बिरला आरसीसीपीएल में हमारा दृढ़ विश्वास है कि हर बच्चे को विकास और सफलता के समान अवसर मिलने चाहिए। तिपहिया साइकिल मात्र यातायात का साधन नहीं बल्कि सशक्तिकरण का माध्यम है। ये दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और सामाजिक रूप से सक्रिय बनाने में सहायक सिद्ध होगी। हम दिव्यांगजनों के उत्थान और समावेशी समाज के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। इस अवसर पर इकाई प्रमुख देवेंद्र कुमार पटेल, माइंस प्रमुख अखिलेश सिंह, सरपंच अंतू चतुर्वेदी, बद्री पटेल उपस्थित रहे।

साइकिल प्राप्त करने वाले बच्चे शिव बालक यादव ग्राम बरोंह, कारन लुनिया कक्षा 8वीं ग्राम कुसेड़ी, अंकित पाल ग्राम अजवाइन, अंकलेश पाल ग्राम अजवाइन एवं धर्मेंद्र साकेत कक्षा 7वी ग्राम घोरवाई शामिल रहे।

जीवन की व्यथा को दूर करती है श्रीमद् भागवत की कथा

मैहर। संगीतमई श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन संगीता सुशील बाजपेयी के आयोजकत्व में किया जा रहा है। चतुर्थ दिवस की कथा में व्यासपीठ आचार्य रामेश्वर नारायण जी महाराज ने बताया कि त्रिकूट पर्वत पर रहने वाला गजेंद्र हाथियों का राजा बहुत अभिमानी था। एक बार जब वह सरोवर में जलक्रीड़ा कर रहा था तब एक शक्तिशाली मगरमच्छ ने उसका पैर पकड़ लिया। गजेंद्र ने खुद को छुड़ाने के लिए 30 दिनो तक संघर्ष किया लेकिन मगरमच्छ पानी में अधिक शक्तिशाली था। गजेंद्र की शक्ति समाप्त हो गई और उसके साथी एवं परिवार भी उसे छोड़कर चले गए।

जब गजेंद्र को लगा कि अब उसका अंत निकट है तो उसने अभिमान छोड़कर पूरी भक्ति और विश्वास के साथ भगवान विष्णु को याद किया। उसने अपनी सूंड में एक कमल का फूल लेकर भगवान को पुकारा। गजेंद्र की सच्ची पुकार सुनकर भगवान विष्णु गरुड़ पर बैठकर तुरंत आए और अपने सुदर्शन चक्र से मगरमच्छ का मुंह काटकर गजेंद्र को मुक्त कर दिया। और गजेंद्र को मोक्ष की प्राप्ति हुई। जब भक्त अपने अहंकार को छोड़कर पूरी तरह से भगवान के प्रति समर्पित हो जाता है तो भगवान उसकी रक्षा अवश्य करते हैं। कथा में प्रमुख रूप से देवेन्द्र पांडेय, संगीता सुशील बाजपेयी, श्याम बाजपेयी, अशोक चौबे, वीरेन्द्र सिंह, विनय त्रिपाठी, एलएल गर्ग, रामानुज तिवारी, रविनंदन मिश्रा, डा.आरके शर्मा, रामसभा तिवारी, पीएल द्विवेदी, कृष्णाधार शर्मा एवं बीरेन्द्र द्विवेदी की उपस्थिति रही।

ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में आयोजित होने वाले विशाल रक्तदान शिविर तैयारी बैठक सभागार में संपन्न

सिंगरौली। ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में सर्व समाज द्वारा आयोजित होने वाले विशाल रक्तदान शिविर तैयारी हेतु बलियरी रोड स्थित मिश्रा पॉलीक्लीनिक एवं नर्सिंग होमए बैठक के सभागार में बैठक संपन्न हुई। बैठक में रक्तदान शिविर की रूपरेखाए आयोजन की व्यवस्थाओं एवं जनसहभागिता बढ़ाने को लेकर विस्तृत विचार.विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कहा कि श्रक्तदान महादानश् केवल एक सामाजिक दायित्व नहींए बल्कि मानवता की सेवा का सर्वोच्च माध्यम है।समय पर रक्त उपलब्ध होने से अनेक लोगों की जान बचाई जा सकती हैए इसलिए समाज के प्रत्येक वर्ग को इस पुनीत कार्य में भागीदारी निभानी चाहिए। बैठक के दौरान शिविर में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करनेए पंजीयन व्यवस्थाए चिकित्सा टीम की उपलब्धताए रक्तदाताओं की सुविधाए प्रचार.प्रसार तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। आयोजकों ने बताया कि शिविर में युवाओंए सामाजिक संगठनों एवं आमजन की भागीदारी बढ़ाने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। आयोजन समिति ने बताया कि कल रविवार को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक विशाल रक्तदान शिविर मिश्रा पॉली क्लिनिक नर्सिंग होम बलियरी में आयोजित किया जाएगा ।

कृषि वर्ष 2026 के तहत मैहर जिले में कृषि रथ अभियान का शुभारंभ

किसानों को दी जा रही आधुनिक खेती की जानकारी

मैहर प्रदेश में वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाए जाने के तहत मैहर जिले में खरीफ सीजन की तैयारी के लिए 10 दिवसीय ÷कृषि रथ÷ अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अभियान के अंतर्गत 16 मई से जिले के विभिन्न विकासखण्डों में कृषि रथ संचालित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों और योजनाओं की जानकारी देना है।

मैहर विकासखण्ड में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी के मार्गदर्शन में कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर कृषि स्थायी समिति के सभापति सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। रथ को ग्राम पंचायत बराखुर्द के लिए रवाना किया गया, जहां 32 किसानों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इसी क्रम में रामनगर विकासखण्ड में भी जनप्रतिनिधियों, मंडी सचिव एवं विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में कृषि रथ को ग्राम पंचायत गोरसरी के लिए रवाना किया गया। आयोजित कार्यक्रम में 34 किसानों ने सहभागिता की। अमरपाटन विकासखण्ड में कृषि स्थायी समिति के सभापति के नेतृत्व में कृषि रथ ग्राम पंचायत मौहरियालालन भेजा गया, जहां 62 किसान उपस्थित रहे। कृषि रथ के माध्यम से किसानों को ई-टोकन प्रणाली के तहत उर्वरक वितरण, संतुलित उर्वरक उपयोग, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, कीट एवं रोग प्रबंधन, फसल विविधिकरण और कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के उपायों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, पराली प्रबंधन तथा कृषि अभियांत्रिकी के माध्यम से खेत समतलीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी जागरूकता बढ़ाई जा रही है।

समारोहपूर्वक मनाई गई निषादराज/केवट जयंती, मछुआ चौपाल में दी गई योजनाओं की जानकारी

भगवान निषादराज के आदर्शों पर चलकर सामाजिक समरसता और जनकल्याण का लिया संकल्प

सीधी जिले के रामपुर नैकिन विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत गुजरेड़ में निषादराज/केवट जयंती का आयोजन हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। इस अवसर पर मछुआ चौपाल का आयोजन कर मत्स्यपालकों को विभागीय योजनाओं एवं उन्नत मत्स्य पालन तकनीकों की जानकारी प्रदान की गई।गुरुवार 15 मई को सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के मुख्य आतिथ्य तथा श्रीमती करुणा केवट, सरपंच ग्राम पंचायत गुजरेड़ की अध्यक्षता में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में स्थानीय केवट समाज के प्रबुद्धजन, मत्स्य पालक, मछुआ सहकारी समितियों के अध्यक्ष एवं सदस्य, ग्रामीण तालाबों के पट्टाधारक तथा स्थानीय मत्स्यपालक बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस दौरान प्रतिभागियों को मत्स्य पालन विभाग की विभिन्न शासकीय योजनाओं, स्वरोजगार के अवसरों और आधुनिक मत्स्य पालन तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने अपने उद्बोधन में भगवान निषादराज जी के आदर्शों को स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन सेवा, समर्पण, सामाजिक समरसता और जनकल्याण का प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भगवान निषादराज ने अपने आचरण से समाज को निस्वार्थ सेवा, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं का संदेश दिया। सांसद ने उपस्थित जनसमुदाय से उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाज में एकता, भाईचारे और सहयोग की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही भगवान निषादराज के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रामपुर नैकिन, तहसीलदार रामपुर नैकिन, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, मत्स्य विभाग की टीम सहित अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद सीधी, जिला-सीधी (म.प्र.)

एन.आई.टी. क्रमांक 215/ई टेंडरिंग/न.पा./2026 सीधी, दिनांक 15.5.2026

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_507653_1 दिनांक 15.05.2026	निकाय के विभिन्न भवनों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम निर्माण कार्य।	(1) 01 माह (2) 1.90 लाख	(1) 1000.00 (2) 3795.00	29.05.2026
2	2026_UAD_507654_1 दिनांक 15.05.2026	निकाय क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न स्थानों में सीसी रोड निर्माण कार्य।	(1) 01 माह (2) 3.90 लाख	(1) 2000.00 (2) 3987.00	29.05.2026

नोट :- निविदा से सम्बंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन https://mptenders.gov.in पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

डिप्टी कलेक्टर एवं
प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सीधी

इस दुनिया में आजाद कौन है? वह व्यक्ति जो खुद पर नियंत्रण रखता है।
- होरेस

भारतीय न्यायपालिका की चर्चा सारी दुनिया में

भारतीय न्यायपालिका को लंबे समय तक लोकतंत्र के सबसे विश्वसनीय स्तंभ के रूप में देखा जाता रहा है। दुनिया भर में भारत की न्याय व्यवस्था की चर्चा इसलिए होती थी क्योंकि यहां लिखित संविधान, स्थापित विधिक परंपराएं और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को लोकतंत्र की आत्मा माना गया। न्याय की देवी की आंखों पर बंधी काली पट्टी इस बात का प्रतीक थी कि अदालतें बिना भेदभाव, केवल संविधान और कानून के आधार पर न्याय करेंगी। यही कारण था कि उच्च न्यायालयों और सुप्रीम कोर्ट के अनेक ऐतिहासिक फैसलों ने भारतीय न्यायपालिका को वैश्विक सम्मान दिलाया। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका के कामकाज को लेकर सवाल लगातार उठ रहे हैं। आलोचना के केंद्र में यह धारणा बनी है, कि अदालतें अब पहले जैसी निर्भीक और जनविश्वास की प्रतीक नहीं रह गई हैं। आम लोगों के बीच यह भावना गहराने लगी है कि कई संवेदनशील मामलों में सुनवाई और फैसलों का समय सरकारों की राजनीतिक सुविधा के अनुसार तय होता दिखाई देता है। न्यायपालिका का दायित्व केवल कानून की व्याख्या करना नहीं, बल्कि नागरिकों के मौलिक और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करना भी है। यदि यही भरोसा कमजोर पड़ने लगे, तो लोकतंत्र की नींव भी प्रभावित होती है। एक समय था जब सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश पी.एन. भगवती ने जनहित याचिका की अवधारणा को विस्तार देते हुए आम नागरिकों के लिए न्यायालयों के द्वार खोल दिए थे। पोस्टकार्ड और साधारण पत्रों के माध्यम से भी लोगों को न्याय मिलने लगा था। 1975 में इंदिरा गांधी के चुनाव को अवैध घोषित करने वाला फैसला न्यायपालिका की स्वतंत्रता का प्रतीक माना गया। उस दौर में अदालतों ने कई बार सरकारों के खिलाफ कठोर फैसले दिए और नागरिक अधिकारों की रक्षा की।

वर्तमान की बात करें तो आज की स्थिति कहीं अधिक जटिल दिखाई देती है। कई महत्वपूर्ण संवैधानिक मामलों में वर्षों तक सुनवाई लंबित रहती है। चुनाव, नागरिक अधिकार, जांच एजेंसियों की कार्रवाई, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और धार्मिक आधार पर बनाए गए कानूनों जैसे विषयों पर समयबद्ध फैसले न आने से न्यायपालिका की भूमिका पर सवाल उठते हैं। यदि किसी मामले का निर्णय तब आए जब उसका प्रभाव समाप्त हो चुका हो, तो न्याय की सार्थकता भी कमजोर पड़ जाती है। इसलिए कहा गया है कि देरी से मिला न्याय भी न्याय नहीं रह जाता है। न्यायपालिका के भीतर पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर भी चिंताएं बढ़ी हैं। जजों पर भ्रष्टाचार के आरोप, महाभियोग की जटिल प्रक्रिया और इस्तीफों के बाद कार्रवाई का समाप्त हो जाना लोगों के मन में असमंजस पैदा करता है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता आवश्यक है, लेकिन स्वतंत्रता और जवाबदेही के बीच संतुलन भी उतना ही जरूरी है। लोकतंत्र में कोई भी संस्था आलोचना से ऊपर नहीं हो सकती। हाल के वर्षों में अदालतों में सुनवाई के दौरान की गई कुछ टिप्पणियों ने भी बहस को जन्म दिया है। न्यायाधीशों की टिप्पणियां यदि सामाजिक या राजनीतिक रूप से पक्षधर प्रतीत हों, तो आम नागरिकों का विश्वास प्रभावित होता है। बेरोजगारी, पेपर लीक, लंबित नियुक्तियां और नागरिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर युवा वर्ग में पहले से ही असंतोष व्याप्त है। ऐसे समय में अदालतों से संवेदनशील और संतुलित दृष्टिकोण की अपेक्षा स्वाभाविक है।

यह भी याद रखने की जरूरत है कि संविधान ने न्यायपालिका को सबसे कमजोर नागरिक की रक्षा का दायित्व सौंपा है। विधायिका और कार्यपालिका स्वाभाविक रूप से शक्तिशाली संस्थाएं होती हैं, जबकि आम नागरिक अक्सर उन्हीं से संघर्ष करते हुए अदालतों तक पहुंचता है। इसलिए न्यायपालिका का मूल उद्देश्य सत्ता की रक्षा नहीं, बल्कि संविधान और नागरिक अधिकारों की रक्षा होना चाहिए। आज आवश्यकता न्यायपालिका को कठघरे में खड़ा करने की नहीं, बल्कि आत्ममंथन की है। न्याय में देरी, पारदर्शिता की कमी और बढ़ती अविश्वसनीयता जैसी चुनौतियों पर गंभीरता से विचार करना होगा। भारतीय न्यायपालिका की सबसे बड़ी ताकत उसका नैतिक अधिकार और जनविश्वास रहा है। यदि वही कमजोर पड़ा, तो लोकतंत्र का संतुलन भी डगमगाने लगेगा। इसलिए समय की मांग है कि न्यायपालिका संविधान की मूल भावना के अनुरूप स्वयं को और अधिक जवाबदेह, संवेदनशील और पारदर्शी बनाए, ताकि आम नागरिक का विश्वास फिर उसी मजबूती से स्थापित हो सके, जिसके लिए भारतीय न्याय व्यवस्था की पहचान सारी दुनिया में थी।

कब तक दोहराई जाती रहेंगी निर्भया जैसी त्रासदियां?

दिल्ली के नांगलोई में एक निजी बस के भीतर महिला के साथ हुई बस कंडक्टर एवं ड्राइवर के दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर पूरे देश की चेतना को झकझोर दिया है। यह घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि उस भयावह सामाजिक और प्रशासनिक विफलता का आईना है, जो वर्षों से हमारे सामने खड़ी है। चौदह वर्ष पहले निर्भया कांड के बाद देश की सड़कों पर जनसैलाब उमड़ा था। लोगों ने सोचा था कि अब व्यवस्था बदलेगी, कानून सख्त होंगे, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और समाज अपनी सोच बदलेगा। लेकिन आज जब उसी प्रकार की घटनाएं पुनः पुनः सामने आती हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा होकर उठता है कि आखिर हम बदले कहां हैं? सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर बार-बार ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? इसका उत्तर केवल कानून की कमजोरी में नहीं, बल्कि समाज की उस विकृत मानसिकता में छिपा है, जहां महिला को आज भी बराबरी के सम्मान के साथ नहीं देखा जाता। आधुनिकता के चमकदार दावों के बीच भी पुरुष प्रधान सोच का अंधेरा जस का तस मौजूद है। महिलाओं को व्यक्ति नहीं, बल्कि उपभोग की वस्तु मानने वाली सोच आज भी अनेक मन-मस्तिष्कों में गहराई तक बैठी हुई है। यही कारण है कि सार्वजनिक स्थानों, कार्यस्थलों, स्कूल-कॉलेजों और यहां तक कि घरों के भीतर भी महिलाएं असुरक्षा का अनुभव करती हैं।

विडंबना यह है कि विज्ञान, तकनीक और आर्थिक विकास के इस दौर में भी समाज स्त्री के सम्मान और सुरक्षा के बुनियादी संस्कार विकसित नहीं कर पाया। बच्चों को शिक्षा तो दी जा रही है, लेकिन संवेदनाएं नहीं दी जा रहीं। घरों में बेटियों पर नियंत्रण और बेटों को छूट देने वाली मानसिकता आज भी कायम है। एक ओर लड़कियों को च्चसावधान रहनेज्ज् की नसीहत दी जाती है, दूसरी ओर लड़कों को अपने व्यवहार और दृष्टि की मर्यादा सिखाने की गंभीर कोशिश बहुत कम दिखाई देती है। यही असंतुलन आगे चलकर अपराधों की जमीन तैयार करता है। प्रश्न यह भी है कि प्रशासन बार-बार ऐसी घटनाओं को रोकने में नाकाम क्यों हो रहा है? निर्भया कांड के बाद महिला सुरक्षा को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए थे। सीसीटीवी कैमरे, महिला हेल्पलाइन, फास्ट ट्रैक कोर्ट, पुलिस गश्त और सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा उपायों की लंबी घोषणाएं हुईं। लेकिन वास्तविकता यह है कि इन व्यवस्थाओं का बड़ा हिस्सा कागजों और भाषणों तक सीमित रह गया। निजी बसें आज भी बिना पर्याप्त निगरानी के चल रही हैं। कई स्थानों पर चालक और परिचालकों का समुचित सत्यापन तक नहीं होता। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन अक्सर केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है।दुनियाभर में बालिकाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरूकता एवं आन्दोलनों के बावजूद बालिकाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी ऐसा ही हो रहा है, बालिकाओं की स्थिति, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में बालिका की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, बालिकाओं की सुरक्षा, बालिकाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है। क्योंकि एक टीस-सी मन में उठती है कि आखिर महिलाएं एवं बालिकाओं कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा?

सच्चाई यह है कि हमारी व्यवस्था अपराध होने के बाद सक्रिय होती है, अपराध रोकने के लिये नहीं। हर बार घटना के बाद गिरफ्तारी, जांच और बयानबाजी होती है, लेकिन अपराध की जड़ों तक पहुंचने की गंभीर पहल नहीं दिखाई देती। राजनीतिक दल कुछ दिनों तक आरोप-प्रत्यारोप करते हैं, मीडिया में बहस चलती है और फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य मान लिया जाता है। लेकिन जिन परिवारों की बेटियां इस अमानवीयता का शिकार होती हैं, उनके जीवन में भय, पीड़ा और असुरक्षा स्थायी घाव बनकर रह जाते हैं। यह भी विचारणीय है कि आखिर महिलाएं और बालिकाएं बार-बार ऐसे अत्याचारों का शिकार क्यों बन रही हैं? इसका कारण केवल अपराधियों की क्रूरता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता भी है। सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सामूहिक जिम्मेदारी का अभाव दिखाई देता है। लोग तमाशबीन बन जाते हैं। कई बार पीड़िता को ही कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है-उसके कपड़े, समय, जीवनशैली और व्यवहार पर सवाल उठाए जाते हैं। यह मानसिकता अपराधियों का मनोबल बढ़ाती है, क्योंकि उन्हें पता होता है कि समाज पूरी तरह पीड़िता के साथ खड़ा नहीं होगा। कब तक महिलाएं अपने ही शहरों, बसों, गलियों और कार्यस्थलों पर भय के साथ जीती रहेंगी? कब तक माता-पिता अपनी बेटियों के घर लौटने तक चिंता में डूबे रहेंगे? यह प्रश्न केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि पूरे समाज की आत्मा का प्रश्न है। जिस समाज में आधी आबादी स्वयं को सुरक्षित महसूस न करे, वह समाज वास्तव में सभ्य नहीं कहलाया जा सकता।

आज आवश्यकता केवल कठोर कानूनों की नहीं, बल्कि कठोर सामाजिक आत्ममंथन की है। कानून अपराधी को दंड दे सकता है, लेकिन समाज ही मानसिकता बदल सकता है। स्कूलों और परिवारों में लैंगिक संवेदनशीलता की शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए। बेटियों को भय में जीना नहीं, बल्कि सम्मानपूर्वक जीना सिखाना होगा। फिल्मों, सोशल मीडिया और विज्ञापनों में स्त्री की वस्तुवादी छवि पर भी गंभीर विमर्श जरूरी है, क्योंकि संस्कृति और मनोरंजन भी समाज की सोच को प्रभावित करते हैं। प्रशासन को भी केवल घटनाओं के बाद की कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सार्वजनिक परिवहन में रियल-टाइम जीपीएस, सीसीटीवी, पैनिक बटन और नियमित निगरानी को पूरी कठोरता से लागू करना होगा। निजी परिवहन संचालकों और कर्मचारियों का गहन सत्यापन अनिवार्य किया जाना चाहिए। पुलिस व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और सक्रिय बनाना होगा।

सनातन पर प्रहार नहीं, आत्ममंथन की आवश्यकता

जिस परंपरा ने विश्व को च्चवसुधैव कुटुम्बकम्ज्ज् सिखाया, उसे मिटाने की बातें केवल वैचारिक अहंकार हैं

तमिलनाडु की राजनीति मे एक बार फिर सनातन धर्म को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। तमिलनाडु के पूर्व उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने विधानसभा मे यह कहा कि च्चलोगों को बांटने वाले सनातन धर्म को खत्म किया जाना चाहिए ज्ज् यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने ऐसा बयान दिया हो। इससे पहले वर्ष 2023 में भी उन्होंने सनातन धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया और कोरोना जैसी बीमारियों से की थी। उस बयान पर पूरे देश में तीखी प्रतिक्रिया हुई थी और बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने भी उन्हें यह कहते हुए फटकार लगाई थी कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले व्यक्ति को अपने शब्दों के परिणामों का ध्यान रखना चाहिए। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सभी को प्राप्त है, लेकिन यह स्वतंत्रता किसी आस्था, संस्कृति या करोड़ों लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का अधिकार नहीं देती। किसी भी धर्म, परंपरा या संस्कृति पर टिप्पणी करने से पहले व्यक्ति को स्वयं का आत्ममंथन करना चाहिए। विशेष रूप से तब, जब वह व्यक्ति किसी संवैधानिक पद पर हो या जनता के बीच प्रभाव रखता हो। शब्द केवल शब्द नहीं होते, वे समाज में विचारों और भावनाओं की दिशा तय करते है। इसलिए सार्वजनिक मंचों पर दिया गया हर बयान जिम्मेदारी की मांग करता है।

सनातन धर्म केवल एक धार्मिक व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह भारत की हजारों वर्षों पुरानी सांस्कृतिक चेतना का आधार है। यह विश्व का सबसे प्राचीन जीवन दर्शन माना जाता है। जब दुनिया के अनेक हिस्सों में सभ्यता का विकास प्रारंभ भी नहीं हुआ था, तब भारत में वेद, उपनिषद, गीता और पुराण मानव जीवन के उच्चतम आदर्शों की व्याख्या कर रहे थे। सनातन ने केवल पूजा-पद्धति नहीं दी, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाई। सत्य, अहिंसा, करुणा, सेवा, प्रकृति संरक्षण, परिवार व्यवस्था और मानवता का संदेश इसी परंपरा से निकला।

भारत की पहचान केवल उसकी सीमाओं से नहीं होती, बल्कि उसकी संस्कृति से होती है, और उस संस्कृति की आत्मा सनातन परंपरा है। मंदिर, तीर्थ, पर्व, योग, आयुर्वेद, गीता, रामायण, महाभारत, गुरुकुल परंपरा, परिवार व्यवस्था और च्चअतिथि देवो भवज्ज् जैसे संस्कार इसी सनातन चेतना की देन हैं। आज पूरी दुनिया योग को अपना रही है, भारतीय दर्शन का अध्ययन कर रही है, अध्यात्म की ओर आकर्षित हो रही है। ऐसे समय में यदि भारत में ही कुछ लोग सनातन को समाप्त करने की बात करे, तो यह केवल राजनीतिक बयानबाजी नहीं बल्कि अपनी जड़ों से दूरी का संकेत भी माना जाएगा।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि सनातन धर्म ने कभी किसी पर जबरन अपनी मान्यताएं नही थोपीं। इस परंपरा ने हमेशा विचारों की स्वतंत्रता को महत्व दिया। यहां चार्वाक जैसे नास्तिक विचारक भी सम्मानित हुए और बुद्ध, महावीर जैसे महापुरुषों को भी स्थान मिला। भारत की यही विशेषता रही कि यहां मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद नहीं होने चाहिए। सनातन का मूल संदेश ही सहिष्णुता और समावेशिता है। इसलिए इसे विभाजनकारी कहना इतिहास और वास्तविकता दोनों के साथ अन्याय है।

यह सत्य है कि समाज में समय-समय पर कुछ कुरीतियां आईं। सती प्रथा, अस्पृश्यता जैसी बुराइयों का विरोध भी इसी देश के संतों, समाज सुधारकों और आध्यात्मिक नेताओं ने किया। लेकिन किसी सामाजिक विकृति को पूरे सनातन धर्म का चेहरा बताना उचित नहीं है। यदि किसी परिवार में कोई गलती हो जाए तो पूरा परिवार गलत नहीं हो जाता। उसी प्रकार कुछ सामाजिक विकृतियों के आधार पर हजारों वर्षों की संस्कृति को समाप्त करने की बात करना तर्कसंगत नही कहा जा सकता।

आज एक चिंताजनक प्रवृत्ति यह भी दिखाई देती है कि हिंदू देवी-देवताओं और सनातन परंपराओं पर टिप्पणी करना कुछ लोगों के लिए फैशन बन गया है। फिल्मों, राजनीति, सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर बार-बार हिंदू आस्थाओं को निशाना बनाया जाता है।

आत्मज्ञान के लिए पात्रता

एक बार की बात है। एक धनिक सेठ एक पहुंचे हुए संत के पास पहुंचा और उनसे बोला, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना का प्रयास करता हूं। परंतु मेरा मन ध्यान में एकाग्र ही नहीं हो पाता। आप मुझे मेरे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। धनिक सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और वहां पर तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ कि एक पहुंचे हुए संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए अच्छे-अच्छे पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका बहुत स्वागत सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के पात्र में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। यह देखकर वह बोला, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो कूड़ा-करकट भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, अपितु वह भी कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। सबसे पहले पात्रता विकसित करो, तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे है तो ये आत्मज्ञान को आत्मसात कैसे कर पाएंगे? एकाग्रता भी तभी बनती है, जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर धनिक सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह शुद्ध आचरण से तथा परोपकार के द्वारा पहले अपने को सुपात्र बनाएगा, ताकि उसे आत्मज्ञान सहजता से प्राप्त हो

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, प्रतिपदा, रविवासरे, कृतिका नक्षत्रे, शोभन योगे, किंतुघ्न करणे, वृष की चंद्रमा, मलमास पुरुषोत्तम मास प्रारंभ, शुभ कर्म, तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी7

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, शिक्षक-शिक्षाविद्, शिक्षाशास्त्री, उद्यमी, लेक्चरार, प्रोफेसर तथा व्यवसायी होगा।

मेष राशि :- तनाव पूर्ण वातावरण से बचिये, स्त्री को शारीरिक कष्ट, मानसिक बेचैनी।
वृष राशि :- अधिकारियों के समर्थन से सुख हो, कार्यगति विशेष अनुकूल होगी।
मिथुन राशि :- भोग-ऐश्वर्य प्राप्त हो, तनाव व कष्ट होगा, विवादग्रस्त व तनावग्रस्त होने से बचिये।
कर्क राशि :- अधिकारियों का समर्थन फलप्रद हो, बिगड़े कार्य अवश्य बन जायेंगे, कार्य बना ले।
सिंह राशि :- परिश्रम सफल हो, व्यवस्था मंद हो, आर्थिक योजना पूर्ण अवश्य ही होंगी।
कन्या राशि :- कार्य-व्यवस्था गति सामान्य रहे, व्यर्थ परिश्रम, कार्यगति मंद हो।
तुला राशि :- किसी दुर्घटना से बचें, चोट-चपेट आदि का भय होवे, उत्साह कम होगा।
वृश्चिक राशि :- कार्यगति अनुकूल रहे, लाभांवित कार्य-योजना बनेगी, कार्य बाधा मुक्त होंगे।
धनु राशि :- कुछ प्रतिष्ठा के साधन बनें किन्तु हाथ में कुछ न लगे, कार्य अवरोध होगा।
मकर राशि :- अधिकारी वर्ग से तनाव व क्लेश होगा, मानसिक अशांति, कार्य बनेगा।
कुंभ राशि :- मनोबल बनाये रखें, हाथ में कुछ न लगे किन्तु नया कार्य बना ही लेंगे।
मीन राशि :- दैनिक कार्यगति उत्तम, कुटुम्ब में सुख समय उत्तम बनेगा, ध्यान रखें।

कैद में करुणा- पंचेन लामा और तीन दशकों का सन्नाटा

आज का मेरा यह आलेख उस बालक के नाम है जो आज 37 साल का हो चुका होगा, जो शायद आज भी किसी खिड़की से बाहर देखते हुए अपनी आज़ादी का सपना देखता होगा। यह उन हज़ारों माताओं के नाम है जिनके बच्चे उनसे दूर सरकारी इमारतों में अपनी पहचान खो रहे हैं। इतिहास की क्रूरता अक्सर उन पन्नों में दर्ज होती है जहाँ सत्ता अपनी असुरक्षा को छिपाने के लिए मासूमियत का गला घोंट देती है। आज से ठीक इकतीस वर्ष पूर्व, जब हिमालय की चोटियों पर बर्फ पिघल रही थी, तब छह वर्षीय गेधुन चोएक्यी न्यिमा—जिन्हें 11वें पंचेन लामा के रूप में पहचाना गया था उन्हे चीनी तंत्र द्वारा अपनी गिरफ्त में ले लिया गया। यह केवल एक बच्चे का अपहरण नहीं था, बल्कि एक सोची-समझी रणनीतिक घेराबंदी थी, जिसका उद्देश्य तिब्बत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रीढ़ को तोड़ना था। व्यावहारिक रूप से समझें तो चीन के लिए पंचेन लामा का पद मात्र धार्मिक नहीं, बल्कि राजनीतिक नियंत्रण का एक अनिवार्य उपकरण है। तिब्बती परंपरा के अनुसार, पंचेन लामा ही अगले दलाई लामा की पहचान और पुष्टि करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। ऐसे में, पंचेन लामा को गायब कर और उनके स्थान पर अपनी पसंद का कठपुतली चेहरा बिठाकर,चीनी कम्युनिस्ट पार्टी भविष्य के दलाई लामा की चयन प्रक्रिया को पूरी तरह अपने नियंत्रण में लेना चाहती है। यह आध्यात्मिक उत्तराधिकार पर एक ऐसा राजनीतिक कब्ज़ा है, जिससे आने वाले दशकों में तिब्बत के भीतर विद्रोह के स्वर को जड़ से खत्म किया जा सके। चीन जानता है कि पंचेन लामा और दलाई लामा का रिश्ता गुरु-शिष्य का है और एक-दूसरे के पुनर्जन्म को पहचानने में उनकी भूमिका निर्णायक होती है। गेदुन को गायब कर अपने कठपुतली पंचेन लामा को थोपना, तिब्बत के भविष्य और उनकी धार्मिक परंपरा को हमेशा के लिए बंधक बनाने का प्रयास है।अभियान का हिस्सा है जिसे सिनीसाइजेशन यानी चीनीकरण कहा जाता है। आज तिब्बत में चीन द्वारा संचालित औपनिवेशिक बोर्डिंग स्कूल इसी दमनकारी नीति की अगली कड़ी हैं। लगभग 10 लाख तिब्बती बच्चों को उनके परिवारों से दूर कर इन सरकारी हॉस्टलों में रखना कोई सामान्य शिक्षा नीति नहीं, बल्कि उनकी भाषा, बौद्ध धर्म और पारंपरिक जड़ों को काटकर उनमें हान-चीनी पहचान भरने का एक व्यवस्थित प्रयास है। जब एक पूरी पीढ़ी अपनी जड़ों को भूल जाती है, तो सांस्कृतिक संघर्ष स्वतः ही दम तोड़ देता है। आज दुनिया मानवाधिकारों की बड़ी-बड़ी बातें करती है, लेकिन पंचेन लामा का मामला संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की उस व्यावहारिक लाचारी को दर्शाता है, जहाँ चीन की आर्थिक शक्ति और वीटो की ताकत ने न्याय के तराजू को असंतुलित कर दिया है। तीन दशकों से एक व्यक्ति का अदृश्य होना और दुनिया का उसे एक ठंडा बस्ता मान लेना, आधुनिक सभ्य समाज की सबसे बड़ी नैतिक विफलता है।

इस घोर अंधकार और दमन के बीच भारत एक प्रकाश स्तंभ की तरह अडिग खड़ा है, जिसने तिब्बती अस्मिता और उनकी सिसकती आस्था को अपनी ममतामयी गोद में शरण दी है। आज दुनिया भर में जो तिब्बत मुक्ति आंदोलन की गूँज सुनाई देती है, उसका केंद्र भारत की वही लोकतांत्रिक मिट्टी है जहाँ दलाई लामा जी सुरक्षित रहकर विश्व को शांति और करुणा का संदेश दे रहे हैं। भारत का यह सहयोग केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि एक रूहानी और ऐतिहासिक जुड़ाव है जिसने तिब्बत की उम्मीदों को मरने नहीं दिया।

एक पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में मुझे ऐसा लगता है कि पंचेन लामा का मुद्दा केवल तिब्बत का आंतरिक मामला नहीं, बल्कि यह चेतना की स्वतंत्रता का वैश्विक प्रश्न है। हम अक्सर किसानों के एमएसपी और मज़दूरों के अधिकारों की बात करते हैं क्योंकि वे उनके अस्तित्व और प्राण-नीति से जुड़े हैं, ठीक उसी तरह किसी समाज की सांस्कृतिक पहचान का अधिकार भी उसके अस्तित्व का मौलिक आधार होता है। यदि हम आज चीनी शासन द्वारा किए जा रहे इस दमन पर मौन हैं, तो हम एक ऐसे भविष्य को स्वीकार कर रहे हैं जहाँ शक्ति ही सत्य का निर्धारण करेगी। 17 मई की तारीख केवल एक कैलेंडर का पन्ना नहीं, बल्कि विश्व की सामूहिक चेतना की परीक्षा है। चीन का यह तर्क कि पंचेन लामा सुरक्षित हैं, दरअसल एक अधिनायकवादी राज्य का वह पर्दा है जिसके पीछे सच्चाई को दफन किया जा रहा है। समय आ गया है कि दुनिया आर्थिक हितों के चश्मे को उतारकर उस अदृश्य चेहरे की आवाज़ बने, क्योंकि जब तक आस्था और संस्कृति की इन हथकड़ियों को नहीं तोड़ा जाता, तब तक मानवीय गरिमा का दावा अधूरा ही रहेगा। न्याय की यह पुकार आज एक ऐसी गूँज बन चुकी है जिसे अब दुनिया अनदेखा नहीं कर सकती। पिछले तीन दशकों से तिब्बत वूमेन एसोसिएशन (सेंट्रल)की हज़ारों सदस्य और अंतरराष्ट्रीय संगठन संयुक्त राष्ट्र के मंच से चीनी सरकार से जवाब माँग रहे हैं, मगर बीजिंग की ओर से केवल टालमटोल ही हाथ लगी है। यह महज़ एक राजनीतिक संघर्ष नहीं, बल्कि उन लाखों तिब्बतियों की आस्था का प्रश्न है जिनकी धार्मिक मान्यताओं और पुनर्जन्म की पवित्र परंपराओं पर आदेश संख्या 5 के ज़रिए सीधा प्रहार किया गया है। चीन का यह कदम छह मिलियन तिब्बतियों की पहचान को कुचलने की एक क्रूर कोशिश है। इसीलिए आज दुनिया भर की सरकारों और मानवाधिकार निकायों से यह पुरजोर माँग की जा रही है कि पंचेन लामा की सुरक्षा और उनके ठिकाने को लेकर चीन पर दबाव बनाया जाए। तिब्बत वूमेन एसोसिएशन का यह अडिग विश्वास कि पंचेन लामा की सुरक्षा मानवीय गरिमा का प्रश्न है, आज वैश्विक समुदाय को इस लड़ाई से जोड़ रहा है। यह सक्रियता साफ संदेश देती है कि जब तक न्याय का प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिल जाता तब तक, यह प्रतीक्षा एक इबादत की तरह जारी रहेगी, यह सिसकी एक आंदोलन की तरह गूंजती रहेगी और भारत की पावन धरती से शुरू हुई न्याय की यह लड़ाई अपनी मंजिल तक पहुँच कर ही दम लेगी। दुनिया सुन ले, जब तक पंचेन लामा सुरक्षित अपनों के बीच नहीं आ जाते, तिब्बत की ये बेटियाँ, ये बहनें और ये माँएँ अपनी आवाज़ को और प्रखर करती रहेंगी। न्याय की यह पुकार अब थमने वाली नहीं है! आज जब 17 मई की तारीख कैलेंडर पर आती है, तो यह केवल एक तारीख नहीं, बल्कि एक जवाबदेही बनकर आती है। यह हमें याद दिलाती है कि हमारे पड़ोस में, हिमालय की गोद में एक ऐसी सभ्यता सिसक रही है जिसे जबरन चुप कराया जा रहा है। हमारी चुप्पी भी इस अपराध में हिस्सेदारी है। अगर हम आज पंचेन लामा की रिहाई की मांग नहीं करते, अगर हम उन बच्चों के लिए आवाज़ नहीं उठाते जिन्हें उनके संस्कारों से दूर किया जा रहा है, तो आने वाली पीढ़ियां हमसे पूछेंगी कि जब इंसानियत को कैद किया जा रहा था, तब आप क्या लिख रहे थे?

फिल्म वर्ग पहेली- 7205

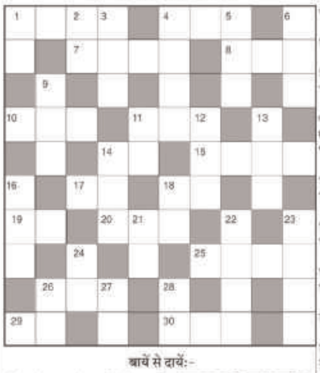

ऊपर से नीचे:-

१. नसीरुद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-२
२. करणनाथ, मनीषा ... की 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-२
३. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
४. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'बदली है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-४
५. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-३
६. 'बनाकेक्यूं बिगाड़ा रे' गीत वाली फिल्म-३
९. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-३
११. 'जाए ओ जाए' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'खाई है रे हमने' गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-३
१३. फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-३
१४. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की 'झूम झूम के नाचो आज' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-३
१८. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे तो गिरधर गोपाल' गीत वाली फिल्म-२
२२. मनोजकुमार, साधना की फिल्म-४
२३. 'जो उनकी तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
२६. 'सुना था देखा ना था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
२७. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२८. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की 'सांसों को सांसों में ढलने दो' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'रंग भी मौसम से रंग चुराके' गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-३
७. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
८. 'सैंडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, शाहरुख, दिव्या भारती की 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली फिल्म-३
११. फिल्म 'मनोरंजन' में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१४. सलमान, सोनी की 'दिल मेरा चाहे' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'कब के बिछड़े हुए' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
१७. अमजद खान, विदिया गोस्वामी की 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'मेरे ख्यालों की मल्लिका' गीत वाली शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-२
१९. सुनील शेट्टी, रंभा की 'कहां गये ममता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की फिल्म-३
२५. अमिताभ, अरशद वारसी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-४
२६. 'ये दुनियावाले' गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२९. धर्मेन्द्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-२
३०. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7204

कांगो में इबोला के प्रकोप से अब तक 65 लोगों की मौत

किशासा। दुनिया अभी अन्य स्वास्थ्य चुनौतियों से उबर ही रही थी कि इस बीच इबोला वायरस ने एक बार फिर पैर पसारने शुरू कर दिए हैं। अफ्रीका की शीर्ष सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्था अफ्रीका सीडीसी ने कांगो के इतुरी प्रांत में इबोला फैलने की पुष्टि की है। इस खतरनाक बीमारी की चपेट में आने से अब तक 65 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 246 संदिग्ध मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले मोंगबालु और रवामपारा हेल्थ जोन में दर्ज किए गए हैं, जिनमें से चार मामलों की प्रयोगशाला में पुष्टि हो चुकी है।

पेंटागन ने पौलैंड में 4,000 से ज्यादा सैनिकों की तैनाती की रद्द

वाशिंगटन। पेंटागन ने अमेरिका में तैनात 4,000 से ज्यादा सैनिकों को अस्थायी रूप से पोलैंड भेजने की योजना रद्द कर दी है। कई अमेरिकी मीडिया संस्थानों ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सेना के कार्यवाहक चीफ ऑफ स्टाफ क्रिस्टोफर ला नेव ने शुक्रवार को कांग्रेस की सुनवाई में बताया कि अमेरिकी यूरोपीय कमान के प्रमुख को «सैन्य बलों में कटौती के निर्देश मिले थे। ला नेव ने कहा कि मैंने उनके साथ करीबी परामर्श में इस बात पर काम किया कि कौन-सी सैन्य इकाई इसमें शामिल होगी और यह फैसला लिया गया कि उस ब्रिगेड के लिए थिएटर में तैनाती न करना सबसे उपयुक्त होगा।

ट्रंप की हत्या पर मिलेगा 50 मिलियन यूरो, ईरानी संसद में पेश होगा प्रस्ताव

तेहरान। ईरानी मीडिया में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर एक खबर ने सबका ध्यान खींचा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरानी सरकार ट्रंप की हत्या के बदले 50 मिलियन यूरो के इनाम का एक प्रस्ताव संसद में लाने की तैयारी कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के चेयरमैन इब्राहिम अजीजी ने इस्लामिक रिपब्लिक की सैन्य और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा «काउंटर-एक्शन» नामक योजना का मसौदा तैयार किए जाने की घोषणा की है।

तुम्हारी रिपोर्टिंग देशद्रोह जैसी, मीडिया सच को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान युद्ध को लेकर पूछे गए एक सवाल पर पत्रकार पर भड़क गए। प्रेस वार्ता में ट्रम्प ने रिपोर्टर की आलोचना करते हुए उसकी रिपोर्टिंग को देशद्रोह बता दिया और कहा कि मीडिया सच को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहा है। दरअसल अमेरिका के एक वरिष्ठ पत्रकार डेविड सैंगर ने ट्रम्प से सवाल किया था कि यदि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ पूरी सैन्य जीत» हासिल कर ली है, तो फिर अमेरिका अपने राजनीतिक लक्ष्य हासिल क्यों नहीं कर पाया।

चीन से खाली हाथ अमेरिका लौटे ट्रंप

दोनों राष्ट्राध्यक्षों ने संयुक्त बयान तक जारी नहीं किया

-ट्रंप के ऑफर पर मौन रहे जिनपिंग, ईरान और होर्मुज पर भी नहीं हो सका फैसला

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप तीन दिवसीय चीन दौरे के बाद शुक्रवार को अमेरिका लौट गए। उन्होंने अपनी यात्रा को «ऐतिहासिक» और «बेहद सफल» बताया, लेकिन छह दौर की बैठकों के बावजूद अमेरिका और चीन के बीच किसी बड़े समझौते या संयुक्त बयान की घोषणा नहीं हो सकी। इस वजह से दौरे के वास्तविक परिणामों को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई शिखर वार्ता में ईरान युद्ध, ताइवान, ट्रेड-टैरिफ विवाद, रेयर अर्थ मिनरल्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और चिप टेक्नोलॉजी जैसे संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा हुई। ट्रंप ने दावा किया कि दोनों देशों ने कई समस्याओं को सुलझाने की दिशा में प्रगति की है और द्विपक्षीय संबंध पहले से अधिक मजबूत हुए हैं, लेकिन उन्होंने किसी ठोस सहमति या समझौते का स्पष्ट विवरण नहीं दिया।वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, ईरान युद्ध और व्यापारिक तनाव के बीच इस यात्रा को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा था। करीब नौ वर्षों बाद चीन पहुंचे ट्रंप के साथ 17 बड़े अमेरिकी कारोबारी भी गए थे, जिससे बोइंग विमान सौदे, कृषि खरीद, कर्ज सहयोग और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में बड़े व्यापारिक एलानों की उम्मीद की जा रही थी। हालांकि यात्रा समाप्त होने तक इन मुद्दों पर कोई औपचारिक समझौता सामने नहीं आया।

चीन से मिले तोहफे को कूड़ेदान में फेंककर चले गए ट्रंप

जासूसी के डर से फोन भी किए नष्ट

बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तीन दिवसीय यात्रा पर चीन आए हुए थे। यहां उनकी जमकर खातिरदारी की गई। उन्हे महंगे-महंगे गिफ्ट भी दिए गए। लेकिन ट्रंप ने अपने विमान पर चढ़ने से पहले ही सभी तोहफे कूड़ेदान में फेंक दिए। जासूसी और चीनी साइबर हमले के जरिए डेटा चोरी के डर से ट्रंप के पूरे डेलिगेशन ने राष्ट्रपति के विशेष विमान एयर फोर्स वन में सवार होने से पहले, चीनी अधिकारियों और मेजबानों द्वारा दिए गए सभी गिफ्ट्स, गैजेट्स और अन्य सामानों को या तो नष्ट कर दिया या फिर वहीं बीजिंग में ही छोड़ दिया।

अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने बीजिंग से उड़ान भरने से ठीक पहले उन सभी चीजों को एक जगह इकट्ठा किया जो उन्हें उनकी चीन यात्रा के दौरान मिली थीं। इनमें व्हाइट हाउस के कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों को जारी किए गए बर्नर फोन, डेलिगेशन पिन, यात्रा के दौरान इस्तेमाल हुए क्रेडेंशियल्स (पहचान पत्र) और अन्य उपहार शामिल थे। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत एयर फोर्स वन में चढ़ने से पहले इन सभी चीजों को डस्टबिन में फेंक दिया गया या फिर पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया। अमेरिकी प्रेस पूल के साथ यात्रा कर रहे वरिष्ठ संवाददाताओं ने भी सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि सुरक्षा कारणों से विमान में चीन से जुड़ा कुछ भी ले जाने की अनुमति नहीं थी।

रूस के एसयू-35 लड़ाकू विमान ने यूक्रेन में एफ-16 जेट को मार गिराया

रूसी आर-37एम अल्ट्रा-लॉन्ग-रेंज वाली मिसाइलें खरीद रहा भारत

कीव,(ईएमएस)। रूस के एसयू-35 लड़ाकू विमान ने यूक्रेन में पहली बार अमेरिकी एफ-16 फाइटर जेट को लंबी दूरी से हमला करते हुए मार गिराया। इसके लिए रूसी फाइटर जेट के आर-77 या आर-37एम मिसाइल का इस्तेमाल किए जाने की रिपोर्ट है। यूक्रेन के मॉनिटरिंग चैनलों पर जिस हमलावर एयर-टू-एयर मिसाइल को ट्रैक किया गया वह इन्हीं दोनों मिसाइलों में एक के होने की संभावना है। अगर इस घटना की पुष्टि यूक्रेन कर देता तो है ये पहली बार होगा जब एयर-टू-एयर कॉम्बैट में अमेरिकी विमान को मार गिराया गया हो।

बता दें एसयू-35 सोवियत एसयू-27 एयर सुपीरियरिटी फाइटर का एक एडवांस संस्करण है जिसे विशेष रूप से नाटो के एफ-15 और एफ-16 फाइटर्स को पछाड़ने के लिए डिजाइन किया गया था। यह कई सिम्युलेटेड एंगेजमेंट्स यानी नकली लड़ाइयों में अपनी क्षमता साबित कर चुका है। एफ-16 को अमेरिकी वायुसेना के शीत युद्ध-युग के प्रमुख एयर सुपीरियरिटी फाइटर एफ-15 के एक हल्के और कम खर्चीले विकल्प के रूप में डिजाइन किया गया था। यह एक हल्का, सिंगल-इंजन वाला विमान है जबकि एफ-15 और एसयू-35 भारी-भरकम ट्विन-इंजन वाले विमान हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेनी सूत्रों ने बार-बार चेतावनी दी है कि एफ-16 और फ्रांसीसी मिराज 2000 लड़ाकू विमान, एसयू-35 जैसे एडवांस रूसी लड़ाकू विमानों की क्षमताओं का मुकाबला करने में पूरी तरह से असमर्थ हैं। यूक्रेनी वायुसेना के प्रवक्ता ने 3 जून 2025 को कहा था कि दुर्भाग्य से आज रूस के पास ऐसे जेट हैं जो ज्यादा दूर तक देख सकते हैं और ऐसी मिसाइलें हैं जो ज्यादा दूर तक मार कर सकती हैं। यह एफ-16 की तुलना में भी सच है। उनके पास शक्तिशाली हवाई सुरक्षा प्रणाली भी है जो विमानन के साथ मिलकर काम करती है।

मार्च में इग्नाट ने एफ-16 की तुलना विशेष रूप से एसयू-35 से करते हुए कहा था कि यूक्रेन के पास जो एफ-16 हैं वे हवाई लड़ाई में आमने-सामने का मुकाबला नहीं कर सकते।

नेपाल सुप्रीम कोर्ट ने बालेन शाह सरकार को दिया झटका

100 रुपये से अधिक के भारतीय सामानों पर कस्टम ड्यूटी वसूली पर अंतरिम रोक

काठमांडू। नेपाल की सुप्रीम कोर्ट ने भारत-नेपाल सीमा पर भारतीय सामानों पर लगाए जा रहे विवादित कस्टम ड्यूटी प्रावधान पर अंतरिम रोक लगा दी है। अदालत ने बालेन शाह सरकार के उस फैसले के अमल पर रोक लगाई है, जिसके तहत भारतीय सीमा से नेपाल लाए जाने वाले 100 रुपये से अधिक मूल्य के दैनिक उपयोग के सामानों पर सीमा शुल्क वसूला जा रहा था।

जस्टिस हरि प्रसाद फुयाल और टेक प्रसाद ढुंगाना की संयुक्त पीठ ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान यह अंतरिम आदेश जारी किया। अदालत ने प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिपरिषद, वित्त मंत्रालय और संबंधित सरकारी एजेंसियों को निर्देश दिया कि अगले आदेश तक इस व्यवस्था को लागू न किया जाए। यह आदेश उस रिट याचिका पर सुनवाई के बाद दिया गया, जिसमें वित्त मंत्रालय के फैसले को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि 100 रुपये से अधिक कीमत के सामान पर कस्टम ड्यूटी लगाने का प्रावधान नेपाल के कस्टम एक्ट 2024 के अनुरूप नहीं है और इससे आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी हो रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सरकार के फैसले पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाते हुए अंतिम निर्णय आने तक पुरानी व्यवस्था बहाल रखने का निर्देश दिया। अदालत के इस आदेश से फिलहाल सीमा क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बड़ी राहत मिली है। दरअसल, बालेन शाह सरकार बनने के बाद नेपाल के वित्त मंत्रालय ने सीमा पार से आने वाले 100 रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर कस्टम ड्यूटी अनिवार्य कर दी थी। इसके बाद भारत-नेपाल सीमा पर स्थित कस्टम चौकियों पर सख्ती बढ़ा दी गई थी। नेपाली अधिकारी भारतीय बाजारों से लौट रहे लोगों के सामान की जांच कर रहे थे और चिप्स, मसाले, बिस्किट तथा अन्य रोजमर्रा की वस्तुओं पर भी शुल्क वसूला जा रहा था।

ट्रंप-जिनपिंग मुलाकात में प्रतीकात्मक और रणनीतिक संदेश मिले पर ठोस नतीजे नहीं

व्यापार, सुरक्षा और ताइवान जैसे मुद्दों पर कोई बड़ा समाधान नहीं निकला

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तीन दिन के चीन दौरा पूरा कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप और जिनपिंग के बीच हुई हाई-प्रोफाइल बैठक ने प्रतीकात्मक और रणनीतिक संदेश तो जरूर दिए, लेकिन इससे कोई ठोस नतीजे हासिल नहीं हुए। इस मुलाकात का मकसद दोनों देशों के बीच संवाद बनाए रखना और वैश्विक स्तर पर राजनीतिक संकेत देना ज्यादा था, जबकि व्यापार, सुरक्षा और ताइवान जैसे अहम मुद्दों पर कोई बड़ा समाधान सामने नहीं आया। विशेषज्ञों ने कहा कि बीजिंग समिट ने पिछले साल के व्यापार टकराव के बाद कुछ समय के लिए तनाव को कम करने में मदद की, लेकिन ताइवान, तकनीकी कंट्रोल, टैरिफ, रेयर अर्थ मिनरल्स और ईरान पर गहरे विवादों को सुलझाने में नाकाम रही। सीएफआर के एशिया स्टडीज के सीनियर फेलो और चाइना स्ट्रैटेजी इनिशिएटिव के डायरेक्टर रश दोशी ने कहा कि यह एक ऐसी समिट है जो असलियत से ज्यादा सिंबल पर ज्यादा थी। दोशी ने कहा कि बीजिंग उस नाजुक शांति को बढ़ाने पर फोकस कर रहा था जो पिछले साल दोनों देशों के अपने व्यापार युद्ध को रोकने के बाद पैदा हुई थी।उन्होंने कहा कि चीन का मकसद रणनीतिक रूप से अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए समय और स्थिरता खरीदना है। मुझे लगता है कि उन्होंने मोटे तौर पर वह मकसद हासिल कर लिया है। समिट पर एक बड़ी चिंता रेयर अर्थ मिनरल्स और जरूरी सप्लाई चैन में चीन का दबदबा था। सीएफआर के सेंटर फॉर जियोइकोनॉमिक्स स्टडीज की सीनियर फेलो हेइडी क्रेबो-रेडिकर रोक ने अमेरिका और यूरोपीय उद्योगों में गंभीर कमजोरियों को सामने ला दिया।

टैरिफ, स्टूडेंट वीजा, क्लीन एनर्जी की वजह से अमेरिका-भारत संबंध मुश्किल दौर में

भारत में अमेरिका के पूर्व राजदूत रिचर्ड वर्मा ने गिनाई कई चुनौतियां

वाशिंगटन। भारत में अमेरिका के पूर्व राजदूत रिचर्ड वर्मा ने चेतावनी दी है कि टैरिफ, स्टूडेंट वीजा में कमी और क्लीन एनर्जी में सहयोग में कमी जैसे मुद्दों की वजह से अमेरिका-भारत संबंध मुश्किल दौर में है। हालांकि उन्होंने भारत को इस सदी में अमेरिका की «सबसे अहम साझेदारियों» में से एक बताया। वर्मा ने कहा कि पिछले 25 सालों में संबंध काफी बढ़े हैं, लेकिन अब नए प्रेशर पॉइंट्स का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संबंध का आर्किटेक्चर और महत्व अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे जरूरी है। मेरा मानना ??है, जैसा कि पूर्व राष्ट्रपति ओबामा कहते थे, यह इस सदी में अमेरिका के लिए सबसे अहम पार्टनरशिप है।

बता दें वर्मा अभी मास्टरकार्ड में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी और राज्य के पूर्व उपसचिव हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत ने 2000 में राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के भारत दौरे के बाद से वाशिंगटन की सबसे तेजी से बढ़ने वाली रणनीतिक साझेदारियों में से एक बनाई है। उन्होंने कहा कि हम 2000 में रक्षा व्यापार में 0 से 20 बिलियन डॉलर तक पहुंच गए। हम टू-वे ट्रेड में 20 बिलियन से 200 बिलियन डॉलर से ज्यादा पर पहुंच गए। उन्होंने कहा कि लोगों के बीच संबंध भी बढ़े हैं और अब अमेरिका में सबसे ज्यादा विदेशी स्टूडेंट भारतीय छात्र हैं। हालांकि, इसके बावजूद भी उन्होंने माना कि दोनों देशों के बीच ये साझेदारी अब दबाव में है।भारत और ब्राजील ही ऐसे दो देश थे जिन पर 50 फीसदी टैरिफ था। यह कुछ समझ से बाहर था। इमिग्रेशन कम हो गया है। स्टूडेंट वीजा मिलना कम हो गया है। स्वच्छ ऊर्जा सहयोग अगर खत्म नहीं हुआ है, तो कम हो गया है। वर्मा की यह बात भारतीय स्टूडेंट्स और टेक्नोलॉजी प्रोफेशनल्स के बीच ट्रंप सरकार के दूसरे टर्म में सख्त अमेरिकी वीजा नीति और पाबंदियों को लेकर बढ़ती चिंता के बीच आई है।

अब मसूरी नहीं लाहौर में होगी बांग्लादेशी अफसरों की ट्रेनिंग

यूनुस के रंग में रंग रहे तारिक रहमान

ढाका। भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में हालिया तनाव के बीच एक बड़ा कूटनीतिक और प्रशासनिक बदलाव देखने को मिला है। लंबे समय तक भारतीय हिल स्टेशन मसूरी में ट्रेनिंग पाने वाले बांग्लादेशी नौकरशाहों ने अब पाकिस्तान के लाहौर का रुख कर लिया है। ढाका से मिले ताजा घटनाक्रम के अनुसार, बांग्लादेश के 12 वरिष्ठ नौकरशाह इन दिनों लाहौर स्थित सिविल सर्विसेज अकादमी में विशेष प्रशिक्षण ले रहे हैं। 4 से 21 मई तक चलने वाला यह कार्यक्रम दोनों देशों के बीच अपनी तरह का पहला संगठित प्रशिक्षण सत्र है, जिसे दक्षिण एशिया की बदलती कूटनीतिक तस्वीर से जोड़कर देखा जा रहा है।

दरअसल, बांग्लादेश में हुए सत्ता परिवर्तन और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के हटने के बाद ढाका और इस्लामाबाद के रिश्तों में तेजी से नजदीकी बढ़ी है। दोनों देश व्यापार, प्रशासन और रणनीतिक सहयोग जैसे कई मोर्चों पर संपर्क बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, ढाका के कुछ अधिकारियों का मानना है कि बांग्लादेश आने वाले समय में नई दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों के साथ संतुलन बनाकर चलने की कोशिश करेगा। अब तक बांग्लादेशी अधिकारी भारत के मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में ट्रेनिंग के लिए आते थे। साल 2014 में शुरू हुई इस व्यवस्था के तहत दिल्ली स्थित नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस के साथ तीन बार समझौते किए गए। आंकड़ों के अनुसार, साल 2019 से 2024 के बीच भारत ने अपने कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के तहत करीब 1,019 बांग्लादेशी सिविल सेवकों को प्रशिक्षित किया। यदि अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को भी जोड़ लिया जाए, तो यह संख्या लगभग 2,500 तक पहुंचती है। भारत का यह आखिरी समझौता केवल एक साल के लिए वैध था, जिसकी अवधि अब समाप्त हो चुकी है। बांग्लादेश के लोक प्रशासन मंत्रालय के मुताबिक, इस बार पाकिस्तान भेजे गए प्रतिनिधिमंडल में एक अतिरिक्त सचिव और 11 संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी शामिल हैं। इस पूरी ट्रेनिंग का वित्तीय खर्च पाकिस्तान सरकार उठा रही है। विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम सिर्फ प्रशासनिक प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि दक्षिण एशिया की बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों का एक बड़ा संकेत है, जहां पाकिस्तान अपनी खोई हुई जमीन तलाश रहा है।

ब्रह्मोस के आगे बेबस पाकिस्तान, परमाणु गीदड़भभकी का पुराना पैंतरा

इस्लामाबाद। भारत की ब्रह्मोस मिसाइलों की मारक क्षमता के आगे पाकिस्तान की कथित बेबसी अब उसकी पुरानी परमाणु गीदड़भभकी के रूप में सामने आने लगी है। पाकिस्तानी विशेषज्ञ लगातार दुनिया को यह विश्वास दिलाने की कोशिश कर रहे हैं कि अगर अगला संघर्ष होता है, तब परमाणु युद्ध छिड़ सकता है और युद्ध बेकाबू हो सकता है। यह दिखाता है कि पाकिस्तान की सेना भले ही अपनी पीठ थपथपा ले, लेकिन उसके विशेषज्ञ इस बात की चेतावनी दे रहे हैं कि भारत जिस सीमित युद्ध की बात करता है, वह तर्क शायद पाकिस्तान को सीमित न रख सके।

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के प्रोफेसर पाकिस्तानी मूल के जफर खान ने उस रिपोर्ट को खारिज किया है जिसमें तर्क दिया गया था कि पाकिस्तान का सीमित युद्ध का नया तर्क शायद युद्ध को सीमित न रख पाए। रिपोर्ट में कहा गया था कि जब भारतीय ब्रह्मोस मिसाइलों ने पाकिस्तानी हवाई ठिकानों पर हमला किया, तब इस्लामाबाद के सामने एक मुश्किल चुनाव था। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के पास अपने लंबी दूरी के सिस्टम से जवाब देने की क्षमता थी, लेकिन उसने जान-बूझकर बाबर क्रूज मिसाइल का इस्तेमाल नहीं किया, क्योंकि एक दोहरी क्षमता वाले सिस्टम का इस्तेमाल करने से परमाणु युद्ध बढ़ने का संकेत जाने का खतरा था। जफर ने इस पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि यह लेख पाकिस्तान-भारत के बीच संकट की स्थिति की तुलना ईरान-अमेरिका के हालात से गलत तरीके से करता है, क्योंकि ईरान एक परमाणु-हथियार वाला देश नहीं है जबकि पाकिस्तान के पास भरोसेमंद परमाणु हथियार हैं। खान के अनुसार, पाकिस्तान के परमाणु हथियार भारत को सीमित या बड़े पैमाने पर युद्ध छेड़ने से रोकते हैं, क्योंकि भारत को डर है कि युद्ध तुरंत परमाणु स्तर तक बढ़ सकता है बिना किसी एस्केलेशन लैडर का पालन किए। उन्होंने भारतीय मिसाइल के इस्तेमाल को कमजोरी और खतरे से भरा तथा खतरनाक एस्केलेशन बताया, जो भारत को इसतरह एस्केलेशन ट्रैप में फंसा सकता है जहां वह युद्ध को नियंत्रित न कर पाए। खान ने चेतावनी दी कि इससे पाकिस्तान का रणनीतिक संयम कम होता है।

चीन को राहत देंगे पर ताइवान को हथियार नहीं देंगे ट्रंप?

बीजिंग से लौटते ही बदले डोनाल्ड ट्रंप के सुर

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बीजिंग के अपने हालिया दौरे से लौटने के बाद चीन के प्रति बेहद नरम रुख अपनाते दिख रहे हैं। अचानक आए इस रणनीतिक बदलाव से राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या ट्रंप चीनी दबाव के आगे झुक गए हैं। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद ट्रंप ने कई ऐसे बयान दिए हैं, जो अमेरिका की पारंपरिक विदेश नीति के बिल्कुल विपरीत नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने अमेरिका पहुंचने से पहले ही एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान चीन को एक बड़ी राहत के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही उन चीनी कंपनियों पर से प्रतिबंध हटाने पर विचार कर सकते हैं, जो ईरान से तेल खरीद रही हैं। इन कंपनियों पर हाल ही में अमेरिका ने सख्त रुख अपनाते हुए पाबंदियां लगाई थीं, जिनमें चीन की दिग्गज रिफाइनरी हेंगली पेट्रोकेमिकल भी शामिल है। दरअसल, चीन ईरान का सबसे बड़ा तेल खरीदार है और होर्मुज संकट के चलते वह पहले ही कम तेल खरीद पा रहा था। अमेरिकी प्रतिबंधों ने उसकी मुश्किलें और बढ़ा दी थीं। हालांकि, ट्रंप के इस बदले रुख के पीछे एक बड़ा व्यापारिक कारण माना जा रहा है। ट्रंप का दावा है कि चीन ने अमेरिका से और अधिक मात्रा में तेल खरीदने का वादा किया है, जिसके बदले में अमेरिकी राष्ट्रपति चीनी कंपनियों को राहत देने का मन बना रहे हैं। इस बदलाव का सबसे बड़ा असर ताइवान के मुद्दे पर देखने को मिला है। ट्रंप ने ताइवान को दिए जाने वाले 14 अरब डॉलर के हथियार पैकेज को मंजूरी देने संशय जाहिर किया है।

नीदरलैंड पहुंचे पीएम मोदी, व्यापार और रक्षा सहयोग पर होगी बड़ी बातचीत

डच प्रधानमंत्री और किंग से मुलाकात, सेमीकंडक्टर व ग्रीन हाइड्रोजन साझेदारी पर रहेगा फोकस

एम्सटर्डम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पांच देशों के विदेश दौरे के दूसरे चरण में शनिवार को नीदरलैंड पहुंचे हैं, जहां भारतीय प्रवासी समुदाय और स्थानीय कलाकारों ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और नीदरलैंड के बीच व्यापार, रक्षा, तकनीक, नवाचार और हरित विकास के क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना है। इससे पहले प्रधानमंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का दौरा किया था, जहां ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण समझौते हुए थे।

नीदरलैंड पहुंचने पर द हेग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भारतीय प्रवासी समुदाय और स्थानीय कलाकारों ने पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया। यह दौरा डच प्रधानमंत्री रॉब जेटेन के निमंत्रण पर हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को रॉब जेटेन के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे, जिसमें रक्षा सहयोग, व्यापार विस्तार और नई तकनीकों में साझेदारी प्रमुख मुद्दे होंगे। आधिकारिक कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री मोदी नीदरलैंड के किंग विलेम-अलेक्जेंडर और क्वीन मैक्सिमा से भी मुलाकात करेंगे। इसके अलावा, डच उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों और बिजनेस लीडर्स के साथ भी उनकी बैठक प्रस्तावित है। माना जा रहा है कि इन चर्चाओं में सेमीकंडक्टर निर्माण, ग्रीन हाइड्रोजन, जल प्रबंधन, रक्षा उत्पादन, सप्लाई चेन और इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई दिशा दी जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी का यह नीदरलैंड का दूसरा दौरा है। इससे पहले उन्होंने वर्ष 2017 में यहां की यात्रा की थी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, मौजूदा दौरा ऐसे समय हो रहा है जब भारत और नीदरलैंड के संबंध तेजी से रणनीतिक साझेदारी की ओर बढ़ रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह दौरा दोनों देशों के बहुआयामी संबंधों को और मजबूती देगा तथा यूरोप के बड़े भारतीय समुदाय से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगा।

रंगसंसार

बेटी की परवरिश पर खुलकर बोली कियारा

अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान अपनी मदरहु जर्नी और बेटी की परवरिश को लेकर खुलकर बात की। कियारा ने कहा कि मां बनने के बाद उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई है और अब वह रिश्तों को पहले से कहीं ज्यादा गहराई से समझने लगी हैं। कियारा ने बताया कि बेटी के जन्म से पहले वह खुद को और सिद्धार्थ मल्होत्रा को सिर्फ गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड की तरह देखती थीं, लेकिन अब एक परिवार बनने के बाद उनकी सोच बदल गई है। उन्होंने कहा कि जीवन में हर नया रिश्ता इंसान को कुछ न कुछ सिखाता है और मां बनने के बाद उन्होंने खुद में काफी बदलाव महसूस किए हैं। अभिनेत्री ने कहा कि वह अपनी बेटी को इस तरह बड़ा करना चाहती हैं कि वह खुद अपने फैसले ले सके। कियारा ने साफ कहा कि वह नहीं चाहतीं कि उनकी बेटी सिर्फ दूसरों को खुश करने के लिए अपनी जिंदगी जिए। उन्होंने कहा कि अगर भविष्य में उनकी बेटी शादी नहीं करना चाहेगी, तो परिवार उसका पूरा साथ देगा। कियारा का मानना है कि बच्चों को स्वतंत्र सोच और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए।

व्रागिनी 3 को लेकर बढ़ी उत्सुकता

हॉर फिल्मों की लोकप्रिय फ्रेंचाइजी व्रागिनी अब अपने तीसरे पार्ट के साथ वापसी करने जा रही है। फिल्म की घोषणा के बाद से ही सोशल मीडिया पर इसे लेकर चर्चाएं तेज हैं। अब खबर सामने आ रही है कि अभिनेता आयुष शर्मा और अभिनेत्री नरगिस फाखरी फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में नजर आ सकते हैं। हालांकि अभी तक मेकर्स की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन इन चर्चाओं ने फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है। बताया जा रहा है कि मेकर्स फिल्म में नई और फ्रेश जोड़ी को कास्ट करना चाहते हैं। अगर आयुष शर्मा और नरगिस फाखरी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनते हैं तो यह पहली बार होगा जब दोनों किसी फिल्म में साथ नजर आएंगे। सोशल मीडिया पर दोनों की संभावित जोड़ी को लेकर फैंस काफी उत्साहित दिखाई दे रहे हैं। व्रागिनीज् फ्रेंचाइजी पहले भी अपने बोल्ड और डरावने कंटेंट की वजह से चर्चा में रही है। ऐसे में तीसरे पार्ट से भी दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं। हालांकि फिल्म की कहानी और बाकी स्टारकास्ट को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म से जुड़ी खबरों ने इंटरनेट पर हलचल बढ़ा दी है। हॉरर फिल्मों के शौकीन दर्शक अब मेकर्स की आधिकारिक घोषणा का इंतजार कर रहे हैं।

मौनी रॉय ने पति को किया अनफॉलो

टीवी और बॉलीवुड अभिनेत्री मौनी रॉय एक बार फिर अपने निजी जीवन को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। सोशल मीडिया पर हाल ही में ऐसी चर्चाएं तेज हो गई हैं कि मौनी और उनके पति सूरज नांबियार के रिश्ते में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। दरअसल, फैंस ने नोटिस किया कि मौनी रॉय ने इंस्टाग्राम पर अपने पति सूरज नांबियार को अनफॉलो कर दिया है। इतना ही नहीं, अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से शादी और पति के साथ की कई तस्वीरें भी हटा दी हैं। इसके बाद से ही दोनों के रिश्ते को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। मौनी रॉय और सूरज नांबियार की शादी को फैंस हमेशा से पसंद करते रहे हैं। दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर रोमांटिक तस्वीरें साझा करते नजर आते थे। लेकिन पिछले कुछ समय से मौनी ने पति के साथ कोई नई तस्वीर साझा नहीं की, जिससे फैंस पहले ही हैरान थे। अब अनफॉलो और तस्वीरें डिलीट करने के बाद चर्चा और तेज हो गई है। हालांकि अभी तक मौनी रॉय या सूरज नांबियार की ओर से इस पूरे मामले पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। ऐसे में यह साफ नहीं है कि दोनों के बीच सच में कोई परेशानी है या यह सिर्फ सोशल मीडिया एक्टिविटी का हिस्सा है। फैंस लगातार सोशल मीडिया पर मौनी से सवाल पूछ रहे हैं और उनके रिश्ते को लेकर चिंता जता रहे हैं। अब हर किसी की नजर इस बात पर टिकी है कि दोनों इस मामले पर कब और क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

दैनिक पंचांग

17 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

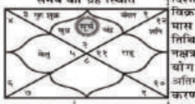

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष	05.11 बजे से
चंद्र	वृष में	मिथुन	07.13 बजे से
मंगल	मेष में	कर्क	09.27 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	11.43 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	13.55 बजे से
शुक्र	मिथुन में	तुला	16.05 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.20 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	20.36 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	22.41 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		कुंभ	00.28 बजे से
		मीन	02.01 बजे से
		मेष	03.31 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 137 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ पक्ष शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 21.41 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 14.32 बजे को समाप्त।
योग शोभन 06.16 बजे तदनन्तर अतिगण्ड 02.00 बजे रात्र को समाप्त।
करण किस्तुघ्न 11.37 बजे तदनन्तर बव 21.41 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 0.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 17'
सूर्य उत्तरायन कलि अहर्गण 1872712
जूलियन दिन 2461177.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद तारीख 29
विशेष अधिक चन्द्र दर्शन, विश्व दूरसंचार दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

एनटीआर के जन्मदिन पर मिलेगा बड़ा सरप्राइज,

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और निर्देशक प्रशांत नील की बहुप्रतीक्षित फिल्म च्एनटीआरनीलज् को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। अब फिल्म से जुड़ा एक बड़ा अपडेट सामने आया है, जिसने दर्शकों की एक्साइटमेंट को और बढ़ा दिया है। मेकर्स ने ऐलान किया है कि फिल्म का पहला ग्लिम्प्स 19 मई 2026 की आधी रात को रिलीज किया जाएगा। यह खास तोहफा जूनियर एनटीआर के जन्मदिन के मौके पर फैंस को दिया जा रहा है। जूनियर एनटीआर 20 मई को अपना जन्मदिन मनाते हैं और ऐसे में फिल्म की पहली झलक रिलीज करने का फैसला फैंस के लिए बेहद खास माना जा रहा है। फिल्म की घोषणा के बाद से ही सोशल मीडिया पर इसे लेकर लगातार चर्चा बनी हुई है। दर्शक खासतौर पर इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि प्रशांत नील के निर्देशन में एनटीआर किस नए अवतार में नजर आएंगे। च्एनटीआरनीलज् को भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में गिना जा रहा है। फिल्म का निर्माण माइथ्री मूवी मेकर्स और एनटीआर आर्ट्स के बैनर तले किया जा रहा है। प्रशांत नील इससे पहले भी बड़े स्तर की एक्शन और मास एंटरटेनर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में फैंस को उम्मीद है कि यह फिल्म भी बड़े पर्दे पर नया रिकॉर्ड बना सकती है। फिल्म के हर अपडेट पर दर्शकों की नजर बनी हुई है और अब सभी को 19 मई की आधी रात का बेसब्री से इंतजार है।

परजीवी कौन कांग्रेस या बीजेपी?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को परजीवी पार्टी कहा। तमिलनाडु मैं मुख्यमंत्री शपथ ग्रहण समारोह में राहुल गांधी पहुंचे थे। उन्होंने विजय थलापति की पार्टी को कांग्रेस का समर्थन दिया। जिसके कारण वह मुख्यमंत्री बने। मोदी जी ने कांग्रेस को इस पर परजीवी पार्टी बता दिया। भारतीय जनता पार्टी कई राज्यों में गठबंधन की सरकार चला रही है। वह परजीवी है, या नहीं? इस पर प्रधानमंत्री ने कुछ नहीं बोला। अब जनता के बीच चर्चा हो रही है। जो भाजपा के साथ हो,वहस्वयंजीवी, बाकी सबपरजीवी। तमिलनाडु में अन्ना डीएमके के साथ एनडीए की सरकार बनाने पिछले कई महीनो से भाजपा ने एडीएमके सर पर हाथ रखा हुआ था। इस बार ना जाने क्या हुआ, चुनाव आयोग कोई कमाल नहीं दिखा पाया। पहली बार भाजपा को तमिलनाडु में बड़ा तगड़ा झटका लगा है।

सोशल मीडिया में मजाक बनी अग्निमित्रा पॉल?

पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा की सरकार बनी है। भाजपा ने महिला विधायक अग्निमित्र पॉल को मंत्री बनाया। राज्यपाल ने मंत्री पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई। मंत्राणी जी ने पहले गोपनीयता की शपथ ली, बाद में मंत्री पद की शपथ ली। इसको लेकर सोशल मीडिया में उनका मजाक उड़ रहा है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल इस मामले में चुप रहे। गलत शपथ को लेकर वह चर्चाओं में है।

पेपर लीक से अरबों की कमाई?

3 साल में दो बार मेडिकल दाखिले के लिए नीट परीक्षा के पेपर लीक हो चुके हैं। हर साल इसमें 25 से 30 लाख विद्यार्थी बैठते हैं। हजारों करोड़ों रुपए परीक्षा फीस कोचिंग और पेपर लीक के माध्यम से अरबो रुपए छात्रों से वसूल किए जाते हैं। एम्स और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन के नाम पर पेपर लीक कराकर अच्छे नंबर दिलवाकर सरकारी कॉलेजों में प्रवेश दिलाया जाता है।

अमिताभ के वायरल वीडियो से लोग योग करने हो रहे प्रेरित

मुंबई । भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने सदी के महानायक अमिताभ बच्चन का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है, जिसमें अभिनेता योग को अपने स्वस्थ और संतुलित जीवन का सबसे बड़ा आधार बताते नजर आ रहे हैं। आयुष मंत्रालय ने यह वीडियो अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया। वीडियो के साथ मंत्रालय ने लिखा कि अमिताभ बच्चन की प्रेरणा लोगों को योग की ओर आकर्षित करेगी। पोस्ट में कहा गया कि जब इतनी बड़ी हस्ती खुद योग को अपने समृद्ध और बेहतर जीवन का राज बताती है, तो यह हर किसी को योग अपनाने के लिए प्रेरित करता है। मंत्रालय का मानना है कि सेलिब्रिटीज के जरिए योग का संदेश ज्यादा प्रभावी तरीके से आम लोगों तक पहुंच सकता है। वीडियो में अमिताभ बच्चन साफ शब्दों में कहते दिखाई देते हैं कि वह हर दिन योग करते हैं और योग ने उनके जीवन को बेहतर और समृद्ध बनाया है। उन्होंने कहा कि योग अपनाकर व्यक्ति अपनी जिंदगी को पूरी क्षमता के साथ जी सकता है।

साथ ही अभिनेता ने यह भी सलाह दी कि योग हमेशा सही मार्गदर्शन और विशेषज्ञों की सलाह के साथ ही करना चाहिए, ताकि इसका पूरा लाभ मिल सके और किसी प्रकार की शारीरिक समस्या से बचा जा सके। मंत्रालय का यह कदम 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को और मजबूती देने वाला माना जा रहा है। आयुष मंत्रालय पहले भी कई योग गुरुओं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों और प्रसिद्ध हस्तियों के माध्यम से लोगों को योग के प्रति जागरूक करता रहा है। मंत्रालय लगातार अलग-अलग योगासनों की जानकारी, उनके फायदे और सही तरीके से करने की विधि साझा कर रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोग योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना सकें। योग को केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन का माध्यम भी माना जाता है।

नियमित योगाभ्यास से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है, तनाव कम होता है और मानसिक शांति मिलती है। इसके अलावा अच्छी नींद, शरीर में ऊर्जा का संतुलन और जीवनशैली से जुड़ी कई समस्याओं में भी योग लाभकारी साबित होता है।

शब्द पहेली - 8729

बाएँ से दाएँ

1. दांपत्य संबंध विच्छेद-3
3. रहस्य का ज्ञाता-4
6. खुशबू,सुगंध-3
7. सौ,सैकड़ा,शतक-2
8. दुलारा,लाड़ला-2
10. नाम रखना-5
12. दाम,मूल्य,दर-3
15. अग्नि,आग-3
17. सम्मान देना -2,3
20. जन्नत,अप्सरा-2
22. दाम,कीमत-2
23. स्थान-3
24. अचरज भरा कार्य-4
25. गागर, घड़ा-3

ऊपर से नीचे

2. न्यूनता,कमी-5
3. अटक-अटक कर बोलने वाला-3
4. आवश्यकता-4
5. राजी करना,मान मनुहार करना-3
7. वहम,संदेह-2
9. भाग्यशाली(अंग्रजी-2)
11. मैला,दागदार-3
13. धोखेबाज,कपटी-3
14. मन मोहने वाला-5
15. अशांति फैलाने वाला, उपद्रवी-4
16. रक्त,खून-2
18. आनेवाला दिन-2
19. नृत्य करना-3
21. चांदी-3

शब्द पहेली -8728 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी।

सलमान खुद 'राजा शिवाजी' का हिस्सा बने

अभिनेता रितेश देशमुख ने कहा कि सलमान खान फिल्म राजा शिवाजी का हिस्सा बनना चाहते थे, जिसके बाद उन्हें ऐसा खास किरदार गढ़ना पड़ा, जो सलमान के रुतबे के बराबर हो। एक मई को प्रदर्शित हुई यह फिल्म मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। रितेश देशमुख ने फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के साथ-साथ इसके सह-लेखन और निर्देशन की जिम्मेदारी भी संभाली है। फिल्म में सलमान खान कैमियो भूमिका में नजर आते हैं।

उन्होंने जीवा माहाला का किरदार निभाया है जो एक वीर योद्धा थे, जिन्होंने प्रतापगढ़ की लड़ाई में शिवाजी महाराज की जान बचाई थी। रितेश देशमुख ने एक साक्षात्कार में कहा, एक दिन सलमान ने मुझसे कहा कि उन्हें 'राजा शिवाजी' का हिस्सा बनना है। मैंने इस बारे में सोचा नहीं था, लेकिन उन्होंने कहा, तुम मेरे बिना फिल्म नहीं बना सकते, मुझे इसका हिस्सा बनना ही है।

मैंने उनसे थोड़ा समय मांगा, क्योंकि अगर वह स्क्रीन पर आएंगे, तो उसका एक अलग महत्व होना चाहिए। आखिरकार वह सलमान खान हैं, लोगों को मजा आना चाहिए। अभिनेता-निर्देशक रितेश ने कहा कि वह चाहते थे कि सलमान फिल्म में ऐसा किरदार निभाएं जो दर्शकों के दिल में उतर जाए। उन्होंने कहा, मैं चाहता था कि वह एक खास किरदार अदा करें। वह किरदार सलमान खान से भी बड़ा लगना चाहिए और साथ ही प्रशंसक भी उसका आनंद उठाएं। फिर हमें यह किरदार मिला। मुझे पता था कि एक खास संवाद चाहिए जो बिल्कुल फिट बैठे। जब वह दृश्य पर्दे पर आया और वैसा असर छोड़ गया जैसा हम चाहते थे, तो वह पल शानदार था। यह पहली बार नहीं है जब सलमान खान ने रितेश की फिल्मों में खास भूमिका निभाई हो। इससे पहले वह 2022 में रितेश के निर्देशन वाली पहली फिल्म 'वेद' में एक विशेष गाने में नजर आए थे। वहीं 'लय भारी' में भी उन्होंने कैमियो किया था, जो मराठी सिनेमा में रितेश की पहली फिल्म थी। राजा शिवाजी फिल्मी सितारों से सजी फिल्म है। फिल्म में संजय दत्त ने अफजल खान, अभिषेक बच्चन ने संभाजी शाहजी भोंसले, विद्या बालन ने बड़ी बेगम, फरदीन खान ने मुगल बादशाह शाहजहां और अमोल गुप्ते ने आदिल शाह की भूमिका निभाई है। रितेश ने कहा कि हिंदी फिल्म जगत के उनके दोस्तों ने सिर्फ प्यार और सम्मान की वजह से फिल्म में काम किया और किसी ने फीस के तौर पर एक रुपया तक नहीं लिया। 'राजा शिवाजी' ने मराठी और हिंदी दोनों भाषाओं में घरेलू बाक्स आफिस पर 52.66 करोड़ रुपए की कुल कमाई की है।

'भूत बंगला' का जलवा बरकरार

हास्य और डरावनी फिल्म 'भूत बंगला' को सिनेमाघरों में धमाल मचाते हुए एक महीना पूरा होने को है लेकिन इसके लिए दर्शकों की दीवानगी कम नहीं हो रही है। कमाई के मामले में भी भूत बंगला ने बाक्स आफिस पर अपनी छाप छोड़ी है और कमाल का प्रदर्शन करके दिखाया है। फिल्म भूत बंगला के जरिए अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की जोड़ी ने करीब 14 वर्षों बाद बड़े पर्दे पर वापसी की। प्रदर्शन के 27वें दिन यानी चौथे बुधवार को फिल्म ने भारत में 1.25 करोड़ की कमाई की है।

'कैमरा देख कांपने लगती थी'

मशहूर अभिनेत्री नीतू कपूर ने एक साक्षात्कार में कहा कि शूटिंग के दौरान कैमरे के सामने आते ही वो कांपने लगती थीं। एक साक्षात्कार में नीतू कपूर ने बताया कि ऋषि कपूर के निधन के बाद करण जौहर ने ही उन्हें 'जुग जुग जीयो' के साथ दोबारा लाइमलाइट में आने के लिए प्रोत्साहित किया था। उन्होंने कहा कि शूटिंग के दौरान मैं बहुत घबराई हुई थी। हर शाट से पहले मैं कांप जाती थी। मैंने 70-80 फिल्में की हैं, लेकिन मुझमें वो हिम्मत नहीं थी। अपने पति के बिना अकेले सेट पर जाना कठिन था।

सपने को साकार कर रहे : जैकी श्राफ

जैकी श्राफ अभिनीत फिल्म 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' 29 मई को प्रदर्शित होगी जैकी श्राफ अभिनीत फिल्म 'द ग्रेट ग्रैड सुपरहीरो' 29 मई को प्रदर्शित होने वाली है। फिल्म का निर्देशन मनीष सैनी ने किया है और इसका निर्माण जी स्टूडियोज और अहमदाबाद फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। श्राफ ने एक बयान में कहा, 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' के साथ, हम हर बच्चे के सपने को साकार कर रहे हैं। अगर आपकी आत्मा 90 साल की उम्र तक जवान और रीढ़ की हड्डी मजबूत बनी रहती है, तो यही आपको सुपरहीरो बनाता है।

न्यायालयः - विशेष न्यायाधीश (एन.डी.पी.एस.) बलौदाबाजार (छ.ग.)

प्रारूप संख्या 5

(अभियुक्त व्यक्ति की उपस्थिति की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्ता पूजा पटेल पिता शेर बहादुर पटेल, उम्र 26 वर्ष, निवासी ग्राम रावरा, थाना लालगांव, जिला रीवां (मध्यप्रदेश) ने धारा 20 ख (ii) (B) NDPS Act. के अधीन दंडनीय अपराध किया है और उस पर जारी गिरफ्तारी वारंट के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्ता पूजा पटेल मिल नहीं रही है, और मुझे समाधानप्रद रूप में यह दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्ता पूजा पटेल फरार हो गया है या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि राज्य बनाम शिवानंद पटेल वगैरह के उक्त अभियुक्ता पूजा पटेल से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस के भीतर इस न्यायालय के समक्ष आवश्यक रूप से उपस्थित हो।

यदि आप अभियुक्ता पूजा पटेल प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस के भीतर इस न्यायालय में उपस्थित होने में असफल रहते है तो, आपकी अनुपस्थिति में विचारण किया जाएगा।

तारीख-22-04-2026

प्रथम अपर सत्र न्यायालय
न्यायालय की मुद्रा)
(राकेश कमार वर्मा)
विशेष न्यायाधीश (एन.डी.पी.एस.) बलौदाबाजार (छ.ग.)

न्यायालय - विशेष न्यायाधीश (एन.डी.पी.एस.) बलौदाबाजार (छ.ग.)

प्रारूप संख्या 5

(अभियुक्त व्यक्ति की उपस्थिति की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त शिवानंद पटेल पिता तुलसी पटेल, उम्र 44 वर्ष, निवासी ग्राम दुगमा, थाना मऊगंज, जिला मऊगंज (मध्यप्रदेश) ने धारा 20 ख (B) NDPS Act. के अधीन दंडनीय अपराध किया है और उस पर जारी गिरफ्तारी वारंट के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त शिवानंद पटेल मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधानप्रद रूप में यह दर्शित कर दिया गया है कि उक्त शिवानंद पटेल फरार हो गया है या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि राज्य बनाम शिवानंद पटेल वगैरह के उक्त शिवानंद पटेल से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस के भीतर इस न्यायालय के समक्ष आवश्यक रूप से उपस्थित हो।

यदि आप अभियुक्त शिवानंद पटेल प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस के भीतर इस न्यायालय में उपस्थित होने में असफल रहते है तो, आपकी अनुपस्थिति में विचारण किया जाएगा।

तारीख-22-04-2026

(न्यायालय की मुद्रा)
जज (छ.ग.)
(एन.डी.पी.एस.)

जिसके संबंध मे थाना भाटापारा शहर, जिला बलौदा बाजार छत्तीसगढ़ के पुलिस वालों के द्वारा दिनांक 16*05/2026 को आकर आरोपी के घर एवं थाना में नोटिस चस्पा किया गया है

ऋषभ पंत पर लगा जुर्माना, बीसीसीआई का बड़ा एक्शन

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स भले ही आईपीएल 2026 की प्लेऑफ दौड़ से बाहर हो चुकी हो, लेकिन टीम अब दूसरी टीमों के समीकरण बिगाड़ने में जुटी हुई है। ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ ने अपने ताजा मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को 7 विकेट से हराकर उसके प्लेऑफ अभियान को बड़ा झटका दिया। इस शानदार जीत से लखनऊ खेमे में खुशी का माहौल था, लेकिन कप्तान ऋषभ पंत की यह खुशी ज्यादा देर कायम नहीं रह सकी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने उन पर आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के कारण जुर्माना लगा दिया।

लखनऊ के खिलाफ अंशुल कंबोज की जमकर हुई धुनाई

नई दिल्ली। आईपीएल में एक मैच किसी खिलाड़ी की किस्मत बदल सकता है और चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज के लिए 15 मई 2026 की रात कुछ ऐसी ही साबित हुई। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में कंबोज ने बेहद महंगा स्पेल डाला और कई अनचाहे रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। चेन्नई को इस मुकाबले में 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जबकि कंबोज की गेंदबाजी पूरे मैच में चर्चा का विषय बनी रही। अंशुल कंबोज ने इस मुकाबले में सिर्फ 2.4 ओवर गेंदबाजी की और 63 रन लुटा दिए। खास बात यह रही कि उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला।

यूडब्ल्यूडब्ल्यू का बड़ा फैसला : रूस और बेलारूस के पहलवानों की वापसी

जिनेवा। अंतरराष्ट्रीय कुश्ती संगठन (यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू)) ने बड़ा फैसला लेते हुए रूस और बेलारूस के पहलवानों पर लगी सभी प्रमुख पाबंदियां हटाने का ऐलान कर दिया है। अब दोनों देशों के खिलाड़ी तुरंत प्रभाव से सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपने राष्ट्रीय झंडे और पहचान के साथ हिस्सा ले सकेंगे। संगठन की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि सीनियर स्तर समेत हर श्रेणी की प्रतियोगिता में रूसी और बेलारूसी पहलवान अपने-अपने देश के झंडे के नीचे मुकाबला करेंगे।

शान मसूद और शाहीन अफरीदी के बीच हुई तीखी बहस

नई दिल्ली। बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में मिली करारी हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम में अंदरूनी तनाव की खबरें सामने आ रही हैं। ढाका में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान को 104 रनों से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद टीम के ड्रेसिंग रूम का माहौल काफी गर्म बताया जा रहा है। कप्तान शान मसूद और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के बीच मैच के बाद तीखी बहस हुई।

राजस्थान और पंजाब की उम्मीदों को मिली नई जान
चेन्नई की हार से बदला समीकरण

नई दिल्ली । आईपीएल 2026 में ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मिली हार ने प्लेऑफ की तस्वीर पूरी तरह बदल दी है। इस मुकाबले से पहले चेन्नई के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना करीब 47 प्रतिशत मानी जा रही थी, लेकिन हार के बाद यह घटकर केवल 28.4 प्रतिशत रह गई है। चेन्नई के पास शानदार मौका था कि वह लखनऊ को हराकर अंक तालिका के टॉप-4 में जगह बना ले और पंजाब किंग्स को पीछे छोड़ दे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। इस हार का सबसे बड़ा फायदा राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स को मिला है, जिनकी प्लेऑफ उम्मीदों को नया जीवन मिल गया है।

आंकड़ों के अनुसार गुजरात टाइटंस इस समय प्लेऑफ में पहुंचने की सबसे मजबूत दावेदार टीम बनी हुई है। शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात के पास फिलहाल 98 प्रतिशत संभावना है। गुजरात का मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स से होना है और अगर टीम यह मैच जीत जाती है तो वह प्लेऑफ में जगह बनाने वाली पहली टीम बन सकती है। दूसरे स्थान पर मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम है। बेंगलुरु के भी गुजरात की तरह 16 अंक हैं और उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना 96.1 प्रतिशत बताई जा रही है। टीम लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है और लगभग अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर चुकी है। तीसरे नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद का नाम है। हैदराबाद की टीम फिलहाल 14 अंकों के साथ मजबूत स्थिति में है और उसके प्लेऑफ में पहुंचने के चांस 70.3 प्रतिशत हैं। चौथे स्थान की जंग सबसे ज्यादा दिलचस्प बनी हुई है, जहां राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। आंकड़ों के अनुसार राजस्थान रॉयल्स के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना 51.6 प्रतिशत है, जबकि पंजाब किंग्स 48.8 प्रतिशत के साथ थोड़ा पीछे है। राजस्थान के बचे हुए मुकाबले दिल्ली कैपिटल्स, लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ हैं। इनमें से लखनऊ और मुंबई लगभग टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हैं, जबकि दिल्ली की उम्मीदें भी बेहद कमजोर हैं। इसी कारण राजस्थान की राह अपेक्षाकृत आसान मानी जा रही है। दूसरी ओर पंजाब किंग्स को अपने शेष मुकाबले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलने हैं। पंजाब अधिकतम 17 अंक तक पहुंच सकती है, जबकि राजस्थान 18 अंक हासिल कर सकती है। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ बारिश से धुला मुकाबला पंजाब के लिए अब नुकसानदेह साबित होता दिख रहा है।

टी20 विश्व कप से पहले महाकाल की शरण में पहुंची भारतीय महिला टीम

हरमनप्रीत कौर समेत खिलाड़ियों ने लिया आशीर्वाद

उज्जैन। महिला टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर पहुंची, जहां खिलाड़ियों ने भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने भस्म आरती में हिस्सा लिया और आगामी विश्व कप में शानदार प्रदर्शन की कामना की। भारतीय टीम की कई खिलाड़ी अपने परिवार के साथ मंदिर पहुंचीं और पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। भारतीय महिला टीम की विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने बताया कि महाकाल मंदिर में आने से उन्हें मानसिक शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि वह पिछले महीने भी बाबा महाकाल के दर्शन के लिए आई थीं और भस्म आरती में शामिल होकर उन्हें काफी सुकून महसूस होता है।

यास्तिका के अनुसार विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट से पहले सभी खिलाड़ी भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेना चाहती थीं, ताकि टीम का अभियान सफल और यादगार रहे।

भारतीय क्रिकेट टीम और महाकाल मंदिर का विशेष संबंध पहले भी देखने को मिला है। इससे पहले वनडे विश्व कप का खिताब जीतने के बाद भी भारतीय टीम ने उज्जैन पहुंचकर बाबा महाकाल के दर्शन किए थे। अब महिला टीम भी विश्व कप से पहले इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए मंदिर पहुंची। महिला टी20 विश्व कप 2026 का आगाज 12 जून से होने जा रहा है। भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद टीम इंडिया 17 जून को नीदरलैंड का सामना करेगी। भारतीय टीम का तीसरा मुकाबला 21 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर दक्षिण अफ्रीका से होगा। वहीं 25 जून को भारत और बांग्लादेश के बीच मुकाबला खेला जाएगा। ग्रुप चरण के अपने अंतिम मैच में भारतीय टीम 28 जून को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी।

विराट कोहली का दर्द छलका, बोले- हर बार खुद को साबित क्यों करूं?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर अपने भावुक बयान को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट बातचीत के दौरान उन्होंने अपने करियर, टेस्ट क्रिकेट से विदाई और टीम में अपनी भूमिका को लेकर खुलकर बात की। कोहली के शब्दों में भावनाएं भी थीं और नाराजगी भी। उनके बयान ने क्रिकेट जगत में नई बहस छेड़ दी है कि क्या भारतीय क्रिकेट अपने सबसे बड़े खिलाड़ियों को सही सम्मान और स्पष्टता दे पा रहा है। कोहली ने कहा कि जब कोई खिलाड़ी अपना घर, परिवार और निजी जिंदगी छोड़कर पूरी तरह क्रिकेट को समर्पित कर देता है, तो वह सिर्फ इतना चाहता है कि उस पर भरोसा किया जाए। उन्होंने इशारों में कहा कि बार-बार खुद को साबित करने की स्थिति किसी भी खिलाड़ी के लिए मुश्किल होती है। उनके बयान को टेस्ट क्रिकेट से उनके अचानक संन्यास से जोड़कर देखा जा रहा है।

क्रिकेट फैंस लंबे समय से इस बात को लेकर चर्चा कर रहे थे कि कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा क्यों कहा और क्या इसके पीछे चयनकर्ताओं या टीम प्रबंधन का दबाव था।

पॉडकास्ट में कोहली काफी भावुक नजर आए। आमतौर पर मैदान पर आक्रामक अंदाज में दिखने वाले विराट इस बार अंदर से आहत दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि अगर किसी खिलाड़ी को हर बार अपनी अहमियत साबित करनी पड़े, तो वह स्थिति मानसिक रूप से बेहद थका देने वाली हो जाती है।

सऊदी एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स में भारत का दमदार प्रदर्शन

अनिमेष कुजूर और मोहम्मद अफसल ने जीते गोल्ड

रियाद। भारतीय एथलीटों ने रियाद में आयोजित सऊदी एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। भारतीय धावक मोहम्मद अफसल और युवा स्प्रिंटर अनिमेष कुजूर ने अपने-अपने मुकाबलों में स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। प्रिंसेस नौराह बिंत अब्दुलरहमान यूनिवर्सिटी स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता में कई देशों के एथलीटों ने हिस्सा लिया।

राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक मोहम्मद अफसल ने पुरुषों की 800 मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 मिनट 48.24 सेकंड का समय निकाला और पहला स्थान हासिल किया। अफसल ने दक्षिण अफ्रीका के क्रिस्टोफर स्वार्ट को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 1 मिनट 48.50 सेकंड में दौड़ पूरी की। वहीं बर्नर गौब्स 1 मिनट 48.75 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे। अफसल इससे पहले पोलैंड में 1 मिनट 44.93 सेकंड का समय निकालकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना चुके हैं। एशियाई खेलों में भी उन्होंने रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा साबित की थी।

वहीं 22 वर्षीय अनिमेष कुजूर ने एक बार फिर भारत के सबसे तेज उभरते स्प्रिंटर के रूप में अपनी पहचान मजबूत की। उन्होंने पुरुषों की 200 मीटर दौड़ 20.77 सेकंड में पूरी कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। ग्रेट ब्रिटेन के डेविड हैरिसन 20.87 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि टोबी हैरिस ने 21.01 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। अनिमेष कुजूर ने 100 मीटर दौड़ में भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 10.44 सेकंड का समय निकाला और बेहद करीबी मुकाबले में दूसरे स्थान पर रहे। इस स्पर्धा में डेविड हैरिसन ने 10.42 सेकंड के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। भारत के पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुरिंदरवीर सिंह ने भी 10.44 सेकंड का समय निकाला, लेकिन फोटो फिनिश में उन्हें तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।अनिमेष कुजूर के नाम फिलहाल भारत में 100 मीटर और 200 मीटर दोनों स्पर्धाओं के राष्ट्रीय रिकॉर्ड दर्ज हैं।

एस्टन विला ने लिवरपूल को 4-2 से हराकर चैंपियंस लीग में बनाई जगह

बर्मिंघम। एस्टन विला ने प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन करते हुए लिवरपूल को 4-2 से हराकर अगले सीजन के यूईएफए चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफाई कर लिया। विला पार्क में खेले गए इस मुकाबले में एस्टन विला की ओर से ओली वॉटकिंस ने दो शानदार गोल दागे और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस जीत के साथ उनाई एमरी की टीम 37 मैचों में 62 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई। दूसरी ओर लिवरपूल 59 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर खिसक गया और अब उसे चैंपियंस लीग में जगह बनाने के लिए अंतिम मुकाबले में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। मुकाबले की शुरुआत में लिवरपूल ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और पहले हाफ में कई अच्छे मूव तैयार किए, लेकिन एस्टन विला ने धैर्य बनाए रखा। मैच के 42वें मिनट में मेजबान टीम को बढ़त मिली। लुकास डिग्ने ने पेनल्टी एरिया के बाईं ओर मौजूद मॉर्गन रोजर्स को शानदार पास दिया, जिसे रोजर्स ने आसानी से गोल में बदल दिया। इस गोल के साथ विला ने पहले हाफ का अंत बढ़त के साथ किया।दूसरे हाफ की शुरुआत में लिवरपूल ने जोरदार वापसी की। 52वें मिनट में डोमिनिक सोबोस्जलाई के फ्री-किक पर कप्तान वर्जिल वैन डाइक ने शानदार हेडर लगाकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद लिवरपूल ने दबाव बढ़ाया और युवा खिलाड़ी रियो न्गुमोहा का लंबी दूरी से लगाया गया जोरदार शॉट गोल पोस्ट से टकरा गया। अगर यह गेंद गोल में चली जाती तो मैच का रुख बदल सकता था। हालांकि लिवरपूल की एक गलती ने मैच को फिर से एस्टन विला की तरफ मोड़ दिया। डोमिनिक सोबोस्जलाई की चूक का फायदा उठाते हुए ओली वॉटकिंस ने शानदार गोल कर टीम को दोबारा बढ़त दिलाई। इसके बाद विला का आत्मविश्वास और बढ़ गया। एमिलियानो बुएंडिया का बेहतरीन कर्लिंग शॉट भी पोस्ट से टकराया, जिससे लिवरपूल की मुश्किलें लगातार बढ़ती रहीं।

आईपीएल के बीच हार्दिक पांड्या की दूसरी शादी की चर्चा तेज

महिका शर्मा संग रिश्ते को लेकर बढ़ी हलचल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के बीच भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। सोशल मीडिया और मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि हार्दिक पांड्या जल्द ही दूसरी शादी कर सकते हैं। खबरों के अनुसार हार्दिक इन दिनों मॉडल और अभिनेत्री महिका शर्मा को डेट कर रहे हैं और दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया है।

वायरल पोस्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि दोनों 22 मई को एक निजी समारोह में शादी के बंधन में बंध सकते हैं। हालांकि अभी तक इस संबंध में हार्दिक पांड्या या महिका शर्मा की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। हार्दिक पांड्या ने पहली शादी अभिनेत्री नताशा स्टेनकोविक से 31 मई 2020 को लॉकडाउन के दौरान की थी। दोनों की शादी शुरुआत में काफी चर्चा में रही, लेकिन यह रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं चल पाया। करीब चार साल बाद जुलाई 2024 में दोनों ने अलग होने का फैसला लिया। तलाक के बाद भी दोनों अपने बेटे अगस्त्य पांड्या की परवरिश मिलकर कर रहे हैं। हार्दिक और नताशा अक्सर बेटे के साथ तस्वीरें साझा करते रहते हैं।

तलाक के बाद हार्दिक पांड्या का नाम कई महिलाओं के साथ जोड़ा गया, लेकिन अब महिका शर्मा के साथ उनके रिश्ते की खबरें सबसे ज्यादा चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर दोनों को लेकर लगातार अटकलें लगाई जा रही हैं। दूसरी ओर हार्दिक पांड्या का आईपीएल 2026 में प्रदर्शन और कप्तानी भी सवालों के घेरे में है। वह इस सीजन मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हैं, लेकिन टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। लगातार दूसरे सीजन में मुंबई इंडियंस प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। हार्दिक पिछले दो मुकाबलों में चोट के कारण मैदान पर नहीं उतर पाए थे, हालांकि उम्मीद जताई जा रही है कि वह कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबले में वापसी कर सकते हैं।

रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जा रहा है कि आईपीएल 2026 के बाद मुंबई इंडियंस टीम प्रबंधन बड़ा फैसला ले सकता है। माना जा रहा है कि हार्दिक से कप्तानी छीनी जा सकती है और टीम में उनकी जगह को लेकर भी चर्चा चल रही है।

मुंबई इंडियंस को इस सीजन अभी दो मुकाबले और खेलने हैं, जिनमें कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच शामिल हैं।

बुमराह की कप्तानी में मुंबई इंडियंस की बदली तस्वीर : कृष्णमाचारी श्रीकांत

टीम ज्यादा एकजुट दिखी

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी मुंबई इंडियंस को लेकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने बड़ा बयान दिया है। श्रीकांत का कहना है कि जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में टीम का माहौल और प्रदर्शन दोनों बदले हुए नजर आए और खिलाड़ी ज्यादा एकजुट दिखाई दिए। इस सीजन मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। टीम की कप्तानी कभी हार्दिक पांड्या तो कभी सूर्यकुमार यादव के हाथों में रही, लेकिन लगातार अस्थिरता के कारण टीम लय नहीं पकड़ सकी। हालांकि पंजाब किंग्स के खिलाफ जब टीम की कमान जसप्रीत बुमराह ने संभाली, तो टीम का रवैया पूरी तरह अलग नजर आया। 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि बुमराह को कप्तानी देना एक सही फैसला साबित हुआ। उनके अनुसार मैच के दौरान खिलाड़ियों का मूड हल्का था और टीम में नई ऊर्जा दिखी। उन्होंने कहा कि भले ही सूर्यकुमार यादव उस मुकाबले में निजी कारणों से नहीं खेले, लेकिन मैदान पर उतरी टीम पहले से ज्यादा संतुलित और आत्मविश्वासी नजर आई।

श्रीकांत ने युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन की भी तारीफ की। उन्होंने दीपक चाहर, राज अंगद बावा, तिलक वर्मा और रयान रिकेल्टन के योगदान को अहम बताया। खासतौर पर रयान रिकेल्टन की आक्रामक शुरुआत और तिलक वर्मा की जिम्मेदार बल्लेबाजी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उन्होंने यह भी कहा कि बुमराह कप्तानी करते समय बेहद शांत और मुस्कुराते हुए नजर आए, जिसका सकारात्मक असर गेंदबाजों पर पड़ा। उनके अनुसार बुमराह ने गेंदबाजों को आत्मविश्वास दिया, जिससे दीपक चाहर और शार्दुल ठाकुर जैसे गेंदबाज ज्यादा अनुशासित नजर आए और रन लुटाने से बचे।

फातिमा सना ने रचा इतिहास, 15 गेंदों में जड़ी सबसे तेज टी20 अंतरराष्ट्रीय फिफ्टी

नई दिल्ली। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की कप्तान फातिमा सना ने जिम्बाब्वे के खिलाफ विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया। तीन मैचों की टी20 सीरीज के आखिरी मुकाबले में फातिमा सना ने मात्र 15 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर इतिहास रच दिया। उनकी तूफानी पारी की बदौलत पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे को 133 रनों से हराकर सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। इससे पहले पाकिस्तान ने वनडे सीरीज में भी जिम्बाब्वे को 3-0 से हराया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 223 रन का विशाल स्कोर बनाया। कप्तान फातिमा सना ने अंतिम ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए केवल 19 गेंदों में नाबाद 62 रन बनाए। उनकी इस शानदार पारी में 10 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। उन्होंने मैदान के हर कोने में आकर्षक शॉट लगाए और जिम्बाब्वे की गेंदबाजी को पूरी तरह दबाव में ला दिया।

224 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम शुरुआत से ही संघर्ष करती नजर आई और पूरी टीम 90 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान ने यह मुकाबला एकतरफा अंदाज में जीतकर सीरीज पर कब्जा जमा लिया। फातिमा सना से पहले महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन, ऑस्ट्रेलिया की फोबे लिचफील्ड और भारत की ऋचा घोष के नाम था। इन तीनों बल्लेबाजों ने 18 गेंदों में फिफ्टी बनाई थी। लेकिन फातिमा ने 15 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल कर नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। फातिमा सना अब महिला टी20 क्रिकेट के सभी प्रारूपों में संयुक्त रूप से सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाली बल्लेबाज भी बन गई हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड मैरी केली और लॉरा हैरिस के नाम दर्ज था। पाकिस्तान के लिए सबसे तेज टी20 अंतरराष्ट्रीय फिफ्टी का पुराना रिकॉर्ड निदा डार के नाम था, जिन्होंने 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 20 गेंदों में अर्धशतक बनाया था।

नाम सुधार/ परिवर्तन

मैं सुखनन्दन प्रसाद पटेल (SUKHNAN-DAN, PRASAD PATEL) पुत्र महादेव पटेल, जन्म दिवस 01/01/1950 निवासी ग्राम इटहा, पो0 अमिलिया रीवा, म0 प्र0 ने अपना नाम बदलकर भविष्य में सुखनन्दन पटेल (SUKHNANDAN PATEL) पुत्र महादेव पटेल जन्म दिवस 01/07/1951 कर लिया है। कृपया भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए।

सुखनन्दन पटेल
SUKHNANDAN PATEL
ग्राम-इटहा पो0 अमिलिया जिला रीवा म0प्र0

नाम सुधार/ परिवर्तन

में, अमृता मिश्रा (AMRITA MISHRA) पत्नी विनायक प्रसाद मिश्रा निवासी ग्राम अमबा, पो. बांस जिला रीवा म0प्र0 ने अपना नाम बदल कर भविष्य में अमिरती देवी (AMIRATI DEVI) पत्नी विनायक प्रसाद मिश्रा जन्म दिवस 01/07/1946 कर लिया है। कृपया भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए।

अमिरती देवी (AMIRATI DEVI)
पत्नी विनायक प्रसाद मिश्रा (BINAEK PRASAD MISHRA)
ग्राम अमबा पो. बांस जिला रीवा म0प्र0.